पाक्षिक

# क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर

◆ वर्ष - 22 ◆ अंक - 18 ◆ रायपुर 20 मार्च 2026 ◆ पृष्ठ - 16 ◆ मूल्य-5/- रुपया

### 6,412 जोड़ों के साथ सामाजिक समरसता के साथ ऐतिहासिक मिसाल

## गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ छत्तीसगढ़ का सामूहिक विवाह

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ ने सामाजिक समरसता, जनभागीदारी और संवेदनशील शासन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक विवाह समारोह को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिला है। एक ही दिन में हजारों जोड़ों का विवाह संपन्न कराकर छत्तीसगढ़ ने सामाजिक एकता और अंत्योदय की भावना का ऐसा प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसकी देशभर में सराहना हो रही है।

10 फरवरी को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सान्निध्य में पूरे प्रदेश से कुल 6,412 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। इनमें से 1,316 जोड़ों का विवाह रायपुर में प्रत्यक्ष रूप से संपन्न हुआ, जबकि शेष जोड़े प्रदेश के विभिन्न जिलों से वर्चुअल माध्यम से इस ऐतिहासिक आयोजन से जुड़े। सभी विवाह धार्मिक परंपराओं और सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुरूप संपन्न कराए गए, जिससे यह आयोजन केवल एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर सामाजिक समरसता और सामूहिक खुशियों का विराट उत्सव बन गया। इस ऐतिहासिक आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया जाना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और गौरव का विषय है। इस समारोह की विशेषता यह भी रही कि इसमें हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध तथा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के जोड़ों ने अपने-अपने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न किए। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता, आपसी सद्भाव और सर्वधर्म समभाव की भावना का

जीवंत प्रतीक बन गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए सम्मान, विश्वास और सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन गई है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बेटियों का विवाह बड़ी चिंता का विषय होता था, लेकिन इस योजना ने उस चिंता को दूर कर हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशियां और विश्वास का संचार किया है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित दंपति को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में की गई थी।

## सरकार संकल्पित भाव से छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा में जुटी- मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विभागों से संबंधित 10 हजार 617 करोड़ 73 लाख 49 हजार रूपए की अनुदान मांगे विधानसभा में पारित की गई। इसमें सामान्य प्रशासन विभाग के लिए 612 करोड़ 29 लाख 20 हजार रूपए, सामान्य प्रशासन विभाग से संबंधित अन्य व्यय 30 करोड़ 92 लाख रूपए, जल संसाधन विभाग के लिए 3 हजार 105 करोड़ 11 लाख 80 हजार रूपए, खनिज साधन विभाग से संबंधित व्यय 1145 करोड़ 89 लाख 99 हजार रूपए, विमानन विभाग से संबंधित व्यय 314 करोड़ 99 लाख 90 हजार रूपए, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग 416 करोड़ 99 लाख 99 हजार रूपए, सुशासन एवं अभिसरण विभाग से संबंधित व्यय 77 करोड़ रूपए, जनसम्पर्क विभाग से संबंधित व्यय 469 करोड़ 99 लाख रूपए, ऊर्जा विभाग से संबंधित व्यय 4236 करोड़ 01 लाख 61 हजार रूपए, जिला परियोजनाओं से संबंधित व्यय 208 करोड़ 50 लाख रूपए शामिल हैं।

### जीरो टॉलरेंस और डिजिटल गवर्नेंस की नीति

राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस और डिजिटल गवर्नेंस की नीति अपनाकर व्यवस्थागत लिकेज समाप्त किए हैं, जिसके कारण आम जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा अब सीधे जनकल्याण में खर्च हो रहा है।

### गोधन संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम -मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 11 जिलों में 29 गौधाम का किया शुभारंभ

## गोधन संरक्षण और गौसेवा को बढ़ावा देने राज्य सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर स्थित गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी गौधाम योजना का शुभारंभ किया। योजना के प्रथम चरण में प्रदेश के 11 जिलों में 29 गौधामों का संचालन प्रारंभ हो गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर बिलासपुर जिले के कोटा विकासखण्ड के ग्राम जोगीपुर में राज्य के प्रथम गौ अभ्यारण्य का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जोगीपुर में प्रस्तावित गौ अभ्यारण्य लगभग 184 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इसके विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रथम चरण में 1 करोड़ 32 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके पूर्ण होने पर यहां एक साथ लगभग 2500 गौवंश के संरक्षण और देखभाल की व्यवस्था की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, आस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। गौधाम योजना के माध्यम से बेसहारा एवं घुमंतू गौवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराया जाएगा तथा

पशुधन संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि गोधन संरक्षण और गौसेवा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ एमओयू किया गया है। इसके तहत कई जिलों में गाय वितरण का कार्य भी प्रारंभ किया गया है, जिससे प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गौधामों में गौवंश के लिए चारा, पानी और समुचित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य में शासकीय भूमि पर स्थापित सभी गौधाम अब सुरभि गौधाम के नाम से जाने जाएंगे। उन्होंने कहा कि गौधामों में पशुपालन, हरा चारा उत्पादन तथा गोबर से उपयोगी उत्पाद तैयार करने से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। इससे स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

संघ नींव में ज्ञात-अज्ञात विसर्जित पुष्प

# ध्येय–समर्पित शांताराम सराफ

संघकार्य को जीवन का ध्येय मानकर पूरी निष्ठा से उसे साधने वाले श्री शांताराम सराफ का जन्म 10 मार्च, 1932 को महाराष्ट्र के जलगांव जिले के यावल में हुआ। घर में वे रामभाऊ नाम से पुकारे जाते थे। उनके पिता श्री त्र्यंबक सराफ तथा माता श्रीमती कमलादेवी थीं। छह भाई-बहनों में वे दूसरे क्रम पर थे। घर का वातावरण अंग्रेज़-विरोधी तथा राष्ट्रभावना से ओतप्रोत था, जिसने उनके विचारों को बाल्यकाल में ही मजबूत दिशा दी।

## प्रचारक बनने का निर्णय

प्रचारक जीवन शुरू करने से पहले वे सागर के एक बैंक में कार्यरत थे। नौकरी छोड़कर पूर्णकालिक प्रचारक बनने के निर्णय पर परिवार में कड़ा विरोध हुआ, किंतु उनकी निष्ठा और संकल्प अडिग रहे।

* 1963 में उन्हें दुर्ग जिला प्रचारक
* 1967 में रायपुर विभाग प्रचारक
* 1989 में छत्तीसगढ़ के प्रथम प्रांत प्रचारक

बनाया गया। आगे चलकर वे मध्य क्षेत्र के प्रचार प्रमुख और संपर्क प्रमुख बनाए गए, जिनका केंद्र जबलपुर रहा।

**रायपुर संघ कार्यालय की कहानी**

शांताराम जी के समय रायपुर में संघ का कोई स्थायी कार्यालय नहीं था। जयस्तंभ चौक के पास जयराम सिनेमा के ऊपर एक छोटा कमरा मिला। रात एक बजे तक सिनेमा का शोर चलता रहता, पर वे शांत चित्त रहकर वहीं से संघ कार्य का संचालन करते रहे। बाद में उनके प्रयासों से 'जागृति मंडल' नामक निजी संघ कार्यालय बना। इसके निर्माण में उन्होंने स्वयं श्रमिकों के साथ काम तक किया। बीमारी के दौरान जब उन्हें फिजियोथेरेपी की आवश्यकता हुई, तब उन्होंने कार्यालय में ही एक फिजियोथेरेपी केन्द्र शुरू करवाया, जो आज भी सामान्य लोगों को सस्ती और सतत सेवा प्रदान कर रहा है।

**कठिन परिस्थितियों में कार्य**

छत्तीसगढ़ लंबे समय तक वामपंथी हिंसा से प्रभावित रहा। इसके बावजूद शांताराम जी मोटरसाइकिल से निर्भीक होकर पूरे प्रदेश का प्रवास करते थे। आपातकाल में उन्हें मीसा के अंतर्गत जेल भेजा गया। बाद में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली सम्मान-निधि को भी वे स्वयं पर न खर्च कर सेवा कार्यों में अर्पित कर

देते थे। वे मधुर भाषी, सुरीले गायक और कुशल घोषवादक थे, किंतु अपने गीतों की रिकॉर्डिंग की अनुमति कभी नहीं देते थे।

**सादगी, अनुशासन और भक्ति**

शांताराम जी की दिनचर्या अत्यंत सरल व अनुशासित थी। पुराने गणवेश में पहने जाने वाले लांग बूट, पोंगली और पट्टी जब बंद हुए, तो उनके परिचितों ने उनके लिए एक स्वेटर बुना। वे उसे सबको हर्षपूर्वक दिखाते थे। वे गणेशभक्त थे—स्नान के बाद प्रतिदिन गणेश प्रतिमा को चंदन लगाकर ही शाखा जाते, और सायंकाल कार्यालय में होने वाले हनुमान चालीसा पाठ में नित्य उपस्थित रहते।

**मदकू द्वीप और प्राचीन विरासत का पुनर्जीवन**

छत्तीसगढ़ जनजाति-बहुल क्षेत्र है और यहां मिशनरियों द्वारा धर्मांतरण की गतिविधियाँ काफी सक्रिय थीं।

मुंगेली जिले के मदकू द्वीप में ईसाई मिशनरियां बहुत प्रभावी थीं। शांताराम जी के अथक प्रयास से वहां पुरातात्विक उत्खनन प्रारंभ हुआ।

पुरातत्वविद अरुण शर्मा के निर्देशन में हुए उत्खनन में 19 प्राचीन शिवलिंग मिले, जिससे इस स्थान का महत्व पुनर्स्थापित हुआ।

उनके प्रयासों से यह स्थल धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र बन गया।

इसी प्रकार नवागढ़ का गणेश मंदिर भी उनके मार्गदर्शन से निर्मित हुआ।

**व्यक्तित्व की विशेषताएँ**

* उनकी स्मरण शक्ति अद्भुत थी—सैकड़ों फोन नंबर और कार्यकर्ताओं के नाम उन्हें याद रहते थे।

* जेब में टॉफियाँ रखना उनकी आदत थी; जहां भी जाते, बच्चों को टॉफी देकर तुरंत उनसे मित्रता कर लेते।

* मराठीभाषी होते हुए भी गांवों में वे स्थानीय बोली में ही संवाद करते थे।

* छत्तीसगढ़ के वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व का बड़ा भाग उनकी छत्रछाया में विकसित हुआ।

* संघ परिवार के सभी संगठनों के लिए उन्होंने स्थानीय नेतृत्व और कार्यकर्ता तैयार किए।

स्थानीय परंपराओं, लोकदेवताओं और तिहारों के प्रति उनमें गहरी श्रद्धा थी।

**अंतिम समय और विरासत**

5 सितम्बर 2025, रायपुर में 93 वर्ष की आयु में उनका शांतिपूर्ण निधन हुआ।

उनका जीवन संघ की उस परंपरा का सशक्त उदाहरण है जिसमें व्यक्ति स्वयं को मिटाकर समाज में स्थायी आधार तैयार करता है।

छत्तीसगढ़ में संगठन कार्य को मजबूत करने, जनजातीय क्षेत्रों में सांस्कृतिक पुनर्जागरण लाने, और हजारों कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शक बनने वाले शांताराम सराफ वास्तव में संघ नींव के ध्येय-समर्पित पुष्प थे।

**।। भारत माता की जय ।।**

# रेल प्रशासन ने एक बार फिर अनेक ट्रेनों को रद्द किया

**भाटापारा।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया रेलवे स्टेशन पर आवश्यक कार्य के चलते गोंदिया रेलवे रेल लाईन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 अपमेन लाईन पर 20 दिन तक रेल यातायात बंद रहेगा। उक्त रेलवे ब्लॉक कार्य की अवधि आगामी 5 अप्रैल 26 से 24 अप्रैल -26 तक निर्धारित की गई है जिसके कारण अनेक रेल यात्री ट्रेनों को रद्द किया गया है जिसमें ट्रेन क्रमांक 18030 शालीमार एलटी टी एक्सप्रेस को शालीमार से 4 अप्रैल से 24 अप्रैल तक रद्द किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन क्रमांक 18029 लोकमान्य तिलक टर्मीनल से शालीमार की ओर जाने वाली यात्री ट्रेन को 6 अप्रैल से 26 अप्रैल तक रद्द कर दिया गया। ट्रेन क्रमांक 18237 कोरबा - अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस को कोरबा से आगामी 5 अप्रैल से 25 अप्रेल तक लगातार निरस्त किया गया है। इसी तरह ट्रेन क्रमांक 18238 अमृतसर बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस को अमृतसर की ओर से आगामी 7 अप्रैल से 27 अप्रैल तक रद्द किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन नंबर 12410 हजरत निजामुद्दीन - रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस को हजरत निजामुद्दीन स्टेशन की ओर से आगामी 2 अप्रैल 4 अप्रैल , 6 अप्रैल , 7 अप्रैल,8 अप्रैल,9 अप्रैल तथा 11 , 13, 14 ,15 , 16, 18 अप्रैल तथा 20,21,22 अप्रैल को रद्द किया गया है । इसी प्रकार 12409 रायगढ़ - निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस को रायगढ़ स्टेशन से आगामी 4 अप्रैल , 6 ,8,9,10,11, 13,15, 16,17, 18,20, 22,23 एवं 24 अप्रैल को रद्द किया गया है। ट्रेन क्रमांक 15232 गोंदिया -बरौनी एक्सप्रेस को आगामी 5 अप्रैल से 26 अप्रैल 2026 तक दुर्ग रेल्वे जंक्शन में नियंत्रित की जायेगी। इस दौरान दुर्ग व गोंदिया के बीच उक्त टे्रन रद्द रहेगी । रेल प्रशासन रेलवे यात्रियों की असुविधा के लिए खेद प्रकट किया है।

# तेज रफ्तार कार ने 4 बाइकों को मारी टक्कर

*दुर्ग में 16 साल के युवक की इलाज के दौरान मौत, दो की हालत गंभीर*

**ब्यूरो प्रमुख रतन कुमार**

दुर्ग जिले में एक तेज रफ्तार कार ने एक साथ चार बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में कई युवक घायल हुए, जिनमें से एक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दो की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

घटना बोरी थाना क्षेत्र के लिटिया-सेमरिया चौकी इलाके में सेवती गांव के पास हर्री स्थित एक राइस मिल के सामने हुई। बताया जा रहा है कि सभी युवक अपने काम से लौट रहे थे, तभी अचानक तेज रफ्तार में आ रही एक सफेद स्विफ्ट कार ने सामने से आकर बाइकों को जोरदार टक्कर मार दी।

***इलाज के दौरान तोड़ा दम***

मंगलवार की शाम को हुए हादसे में जगमोहन यादव उर्फ जग्गू समेत कई युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को संभाला और अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की। हालांकि, घटना के समय सरकारी एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची, जिसके कारण घायलों को प्राइवेट एंबुलेंस की मदद से अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने सभी घायलों का इलाज

शुरू किया, लेकिन जगमोहन यादव की हालत काफी गंभीर थी। इलाज के दौरान बुधवार को उसने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि जगमोहन की उम्र सिर्फ 16 साल थी। दो युवकों की हालत नाजुक इस हादसे में बाइक सवार ज्यादातर युवकों को गंभीर चोटें आई हैं। घायलों में प्रहलाद यादव (19), संस्कार भारती (15), माही यादव (14), मोहित भारती (17), करण यादव (16), चेतन यादव (17), हिमांशु मरैया (16) शामिल हैं। इनमें से भी दो युवकों की हालत नाजुक बनी हुई हैं। जिनका इलाज जारी है।

## तेज रफ्तार में थी कार, अभी तक गिरफ्तारी नहीं

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार बहुत तेज रफ्तार में थी और चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके चलते यह बड़ा हादसा हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई बाइक दूर तक घिसट गई और युवक सड़क पर गिर पड़े। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कार का नंबर CG04KS1712 बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर मौके से फरार हो गया। एएसपी मणिशंकर चंद्रा का कहना है कि मामले अभी वाहन चालक की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उसे भी चोट आई है। पुलिस विवेचना कर रही है।

# युद्धकाल का संकट, राजनीति और नागरिक कर्तव्य

युद्धकाल के कारण पूरी दुनिया में आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो जाने के कारण तेल, गैस व अन्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हो रही है। चीन, जापान, कोरिया जैसे समृद्ध देश और पाकिस्तान, बांग्लादेश व श्रीलंका जैसे हमारे पड़ोसी देश पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृद्धि कर चुके हैं। अमेरिका-इजराइयल और ईरान युद्ध को प्रारंभ हुए 15 दिन का समय व्यतीत हो चुका है और अभी भी युद्ध का दायरा बढ़ ही रहा है। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध और आक्रामकता के कारण संपूर्ण विश्व में तेल और गैस की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। अन्य आवश्यक उत्पादों के जहाजों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। विश्व के तमाम देशों की सरकारें एवं विपक्षी दल कदम से कडम मिलाकर तेल, गैस व ऊर्जा संकट, आर्थिक अनिश्चितता तथा कार्यालयों के पलायन के कारण उत्पन्न हो रहे संकट का सामना कर रहे हैं। सभी देशों में सत्तापक्ष व विपक्ष मिलजुल कर कर रहे हैं वहीं भारत में विपक्ष इस संकट का उपयोग अपने ही देश को नीचा दिखाने के लिए कर रहा है। भारत में इस युद्ध तथा उससे उपजे वैश्विक संकट पर अलग ही राजनीति हो रही है। जब से युद्ध आरम्भ हुआ है भारत में लखनऊ से लेकर श्रीनगर और जम्मू कश्मीर के बडगाम जिले तक अमेरिका-इजराइल के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करने के लिए आक्रामक विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन कर रहे इन लोगों ने पहले कभी भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों निंदा तक नहीं की है। विपक्ष में बैठे राजनीतिक दल तथा उनके नेता इन प्रदर्शनों को हवा दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे आदि सरकार की विदेश नीति के खिलाफ अनवरत लेख लिख रहे हैं और किसी न किसी बहाने प्रधानमंत्री मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाने के प्रयास कर रहे हैं। युद्धकाल के कारण पूरी दुनिया में आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो जाने के कारण तेल, गैस व अन्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हो रही है। चीन, जापान, कोरिया जैसे समृद्ध देश और पाकिस्तान, बांग्लादेश व श्रीलंका जैसे हमारे पड़ोसी देश पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृद्धि कर चुके हैं। कई देशों में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच रही है पड़ोसी पाकिस्तान में तो लॉकडाउन जैसे हालात पैदा हो गए हैं जबकि भारत मे पेट्रोल व डीजल के दाम काफी स्थिर हैं। भारत में केवल घरेलू रसोई गैस के दामों में ही 60 रुपए की वृद्धि की गई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युद्ध से पैदा हुए संकट पर स्वयं नजर रख रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री तथा प्रधानमंत्री मोदी दुनियाभर के नेताओं के साथ संपर्क में हैं तथा आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए नए मार्ग ढूंढ रहे हैं। अभी तक भारत केवल 27 देशों से ही तेल व गैस की खरीदता था किंतु अब 40 देशों के साथ क्रय सम्बन्ध बनाए जा रहे हैं। विडंबना है कि विपक्ष इस संकट का उपयोग राजनीति के लिए कर रहा है। विपक्षी दल के नेता, आईटी सेल तथा कार्यकर्ता अपने आकाओं की शह पाकर अफवाह बाज बनकर सड़क पर आ गए हैं। बड़े नेता ऊपर संसद ठप कर रहे हैं और छोटे-बड़े जमाखोरों के साथ मिलकर आम जनमानस का पैनिक बटन दबाकर गैस सिलेंडर के लिए लंबी-लंबी कतारें लगवा रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं जबकि प्रधानमंत्री मोदी व उनकी सरकार की पहल का ही परिणाम है कि ईरान-अमेरिका-इजरायल जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट से दो भारतीय जहाज शिवालिक और नंदादेवी 927000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत आ रहे हैं। भारत सरकार व अधिकारियों के प्रयास से ही फारस की खाड़ी में सभी भारतीय सुरक्षित हैं। भारत के 253 नाविक अब तक सुरक्षित वापस आ चुके हैं। भारत सरकार ऊर्जा आपूर्ति और नागरिक सुरक्षा पर पर्याप्त ध्यान दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी कैबिनेट की बैठक में अपने मंत्रियों से स्पष्ट कर चुके हैं कि युद्ध का असर आम जनता पर नहीं पड़ना चाहिए। युद्धकाल में जो लोग भारत की विदेश नीति को फेल बताने वालों को स्मरण रखना चाहिए कि कि जब संघर्ष के कारण उड़ानें प्रभावित होने पर कई ईरानी नागरिक भारत में फंस गए थे भारत ने ही उन्हें ईरान की सहायता से उनके देश पहुँचाया। वहीं युद्ध के बीच 1.72 लाख भारतीय सकुशल भारत वापस आए हैं। भारत सरकार युद्धकाल में जनता को कोई समस्या न हो इसके लिए लगातार कार्य कर रही है किंतु क्या हम सभी नागरिक अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं? परिस्थितियां इसका उत्तर नहीं में दे रही हैं। यदि नागरिक भी कर्त्तव्य बोध से बंधे होते तो आज देश में गैस सिलेंडर को लेकर जो पैनिक मचा हुआ है वह न होता।

**अतिथि संपादक - मृत्युंजय दीक्षित**

# 'महतारी गौरव वर्ष' महिला सशक्तिकरण के नवयुग की ओर अग्रसर छत्तीसगढ़

**डॉ. दानेश्वरी संभाकर**
उप संचालक, जनसंपर्क विभाग

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आज महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है। मातृशक्ति के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने इस वर्ष को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की है। यह पहल केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं है, बल्कि महिलाओं को राज्य की विकास यात्रा के केंद्र में स्थापित करने का सशक्त संकल्प है।

## विश्वास से निर्माण और अब गौरव की ओर

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने कार्यकाल के पहले वर्ष को 'विश्वास वर्ष' के रूप में शासन-प्रशासन और जनता के बीच भरोसे की पुनर्स्थापना को समर्पित किया। इसके बाद दूसरे वर्ष को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप में मनाते हुए अधोसंरचना विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को नई गति दी गई। अब तीसरा वर्ष 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में माताओं और बहनों को समर्पित किया गया है, जिसमें राज्य की अधिकांश योजनाओं का केंद्रबिंदु महिलाएं होंगी। यह क्रम सरकार की संवेदनशील और समावेशी विकास की सोच को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

## महतारी वंदन योजना : आत्मसम्मान और आर्थिक सुरक्षा का आधार

छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना आज महिला सशक्तिकरण का मजबूत स्तंभ बन चुकी है। इस योजना के तहत प्रदेश की लगभग 70 लाख विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जा रही है। अब तक 15 हजार 595 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से महिलाओं को दी जा चुकी है। हाल ही में 24वीं किस्त के रूप में 68 लाख से अधिक महिलाओं को 641 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई।यह नियमित आर्थिक सहयोग महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ ही उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है। कई महिलाएं इस राशि को केवल घरेलू खर्च तक सीमित न रखकर स्वरोजगार और छोटे व्यवसायों में निवेश कर रही हैं।

बालोद जिले के ग्राम खैरडीह की श्रीमती रोहनी पटेल इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण हैं। पति की असमय मृत्यु के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। घर में वृद्ध सास की देखभाल और कॉलेज में पढ़ रहे दो बच्चों की पढ़ाई की चिंता उनके लिए बड़ी चुनौती थी।ऐसे कठिन समय में महतारी वंदन योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर आई। योजना से मिलने वाली राशि को उन्होंने सावधानीपूर्वक बचत कर अपने खेत में सब्जी उत्पादन का कार्य शुरू किया। बीज, खाद और कृषि सामग्री की व्यवस्था कर उन्होंने पूरी मेहनत से खेती की।आज श्रीमती रोहनी पटेल अपने खेत में उगाई गई ताजी सब्जियों को स्थानीय बाजारों में बेचकर नियमित आय अर्जित कर रही हैं। इस आय से वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं और बच्चों की पढ़ाई भी निर्बाध रूप से जारी है। उनका यह प्रयास गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन चुका है।

## महिला सशक्ति करण के नवयुग की ओर अग्रसर छत्तीसगढ़

बिहान से बदली जिंदगी = 'लखपति दीदी' बनीं श्रीमती माहेश्वरी यादव

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम कोरदा की श्रीमती माहेश्वरी यादव भी महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरक मिसाल हैं। पहले उनका जीवन सामान्य गृहिणी की तरह घर-परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित था। लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आया।

समूह के सहयोग और परिवार के समर्थन से उन्होंने गांव में एक छोटी किराना दुकान शुरू की। अपनी मेहनत और बेहतर प्रबंधन के बल पर यह दुकान धीरे-धीरे गांव में भरोसेमंद केंद्र बन गई। आज इस दुकान से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये की आय हो रही है और वे 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। इससे उनके बच्चों की शिक्षा और परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

## आधुनिक तकनीक से नई पहचान : 'ड्रोन दीदी' सुश्री सीमा वर्मा

बिलासपुर जिले के मस्तूरी क्षेत्र की सुश्री सीमा वर्मा ने भी यह साबित किया है कि अवसर और प्रशिक्षण मिलने पर महिलाएं आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में भी नई पहचान बना सकती हैं।

स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने पहले मशरूम उत्पादन का कार्य शुरू किया और बाद में ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। शासन की सहायता से उन्हें ड्रोन सेट, जनरेटर और ई-वाहन उपलब्ध कराया गया।

आज सीमा वर्मा किसानों के खेतों में ड्रोन के माध्यम से कीटनाशक छिड़काव कर रही हैं और इस कार्य से उन्हें सम्मानजनक आय प्राप्त हो रही है। गांव में लोग उन्हें स्नेहपूर्वक 'ड्रोन दीदी' के नाम से जानते हैं।

## बजट में महिला कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता

राज्य सरकार ने महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए 8 हजार 245 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है।

आंगनबाड़ी एवं पोषण योजनाओं के लिए 2 हजार 320 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए 120 करोड़ रुपये, मिशन वात्सल्य के लिए 80 करोड़ रुपये तथा रानी दुर्गावती योजना के लिए 15 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

इसके अतिरिक्त 750 नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए 42 करोड़ रुपये और 250 महतारी सदनों के निर्माण के लिए 75 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह बजटीय प्रावधान महिलाओं और बच्चों के समग्र विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## सुरक्षा, स्वास्थ्य और गरिमा की सुदृढ़ व्यवस्था

महिला सुरक्षा के क्षेत्र में भी राज्य ने प्रभावी तंत्र विकसित किया है। वन स्टॉप सेंटर, 181 महिला हेल्पलाइन और डायल 112 के माध्यम से संकट की स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सुखद सहारा योजना के अंतर्गत 2 लाख 18 हजार से अधिक विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

### स्वावलंबन से नेतृत्व तक

प्रदेश में 42 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों को रियायती ऋण प्रदान कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। रेडी-टू-ईट कार्य महिला समूहों को सौंपे जाने से उन्हें स्थायी आय का स्रोत मिला है। इसके साथ ही डिजिटल सखी, दीदी ई-रिक्शा, सिलाई मशीन सहायता, मिनीमाता महतारी जतन योजना और लखपति दीदी जैसी पहलें महिलाओं को नए आजीविका अवसर प्रदान कर रही हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के अनुसार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें सुरक्षित तथा सम्मानजनक वातावरण प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

# सनातन धर्म में मानव सेवा ही सर्वोपरि है

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

**भाटापारा**/ भगवत कृपा भक्ति भाव से आती है। जहां धन का अभिमान हो वहां भक्ति संभव नहीं है। श्री नारायणी नवलधाम में श्रीमदभागवत कथा प्रवचन करते हुए आचार्य श्री झम्मन प्रसाद शास्त्री ने कहा कि

सत्यभामा ने अपने धन अभिमान में श्रीकृष्ण को स्वर्ण से तौलना चाहा। पलड़े में अपने सारे आभूषण सहित समूचा स्वर्ण कोष रख दिया फिर भी तुला तनिक भी नहीं हिली। तभी श्रीकृष्ण के लिए भक्ति भाव लिए रूक्मणि आती हैं और बड़ी श्रद्धा सहित पलड़े पर एक तुलसी पत्र रखती है और तुला संतुलित हो जाती है। भगवत कृपा धन अभिमान से नहीं बल्कि श्रद्धा और विनम्रता से प्राप्त होती है। सत्यभामा को अपने धन के घमंड का अहसास हुआ। तुलसी भगवान् को प्रिय है जहां भगवान भी राजी हो गए। ऐसी पवित्र तुलसी को अपने घर में लगाकर घर को वृन्दावन बनाया जा सकता है। तुलसी जितनी पवित्र है उतना ही हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। सनातन संस्कृति में तुलसी महात्म्य का विश्लेषण किया गया है। आधुनिक काल में तुलसी पर अनुसंधान हो रहें हैं जो अनेक असाध्य रोगों का नाश करती है।

आचार्य ने वर्तमान शिक्षा पद्धति का विश्लेषण करते हुए कहा कि भगवत कथा मानवीय मूल्यों के विकास के लिए है। हम मन से पवित्र हो इसके लिए सत्संग साधन है। हम अपने धर्म ग्रंथों का अध्ययन करें उनका श्रवण करें। अच्छे विषय पर चर्चा हो।हर मंदिर में ऐसा सत्संग होना चाहिए जिससे सनातन धर्म संस्कृति का ज्ञान मिले, उस पर वार्तालाप हो। लाइब्रेरी में वेद वेदांत,

दर्शन का अध्ययन करना जरूरी है ताकि सभी सनातन संस्कृति का स्वाध्याय करें जिससे लोगों के मन में मानव सेवा का भाव जागृत हो सके। मन बुद्धि की एकता के लिए सत्संग करना चाहिए।

आज की शिक्षा को लेकर आचार्य ने कहा कि देश में लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति के चलते हम सनातन धर्म, परंपरा से विलग होते जा रहे है। हमारी इस अज्ञानता के कारण धर्मान्तरण हो रहा है। परिवार बिखर रहें हैं, समाज में वैमनस्य पैदा हो रहा है। देश हिंसा बढ़ रही है। अंग्रेजों की शिक्षा पद्धति से सेवा, त्याग का भाव विलुप्त हो रहा है जो हमारी सनातन संस्कृति का मूलाधार हैं। धन कमाने की होड़ से, परस्पर प्रतिस्पर्धा के कारण प्रेम का अभाव हो चला है। आपस में सुख दुख बांटने की परंपरा खत्म हो गई है। हर व्यक्ति अपने को अकेला पाता है और यही परिवार, समाज की अवनति का कारण बनता जा रहा है। सनातन धर्म में सभी मानव बराबर है। मानव सेवा ही सर्वोपरि है इसलिए ही सनातन धर्म में विश्व को एक कुटुम्ब कहा जाता है।

# भारत माला प्रोजेक्ट पर दुर्ग में फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, अंजोरा में चक्काजाम

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

दुर्ग। दुर्ग जिले के अंजोरा क्षेत्र में भारतमाला परियोजना को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। प्रस्तावित सड़क निर्माण में बनाए जा रहे पुल की ऊंचाई और चौड़ाई को लेकर नाराज़ ग्रामीणों ने चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का कहना है कि निर्माणाधीन पुल का आकार काफी छोटा रखा जा रहा है, जिससे बरसात के समय पानी का बहाव बाधित होगा और आसपास के खेतों में बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है। किसानों ने आशंका जताई कि यदि समय रहते पुल के डिजाइन में बदलाव नहीं किया गया तो उनकी फसलें हर साल डूबने का खतरा बना रहेगा।

प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क पर उतर आए और आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई। चक्का जाम के कारण मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे आम लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सूचना मिलने पर प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाइश देने का प्रयास किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को उच्च स्तर पर पहुंचाकर उचित समाधान निकाला जाएगा।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। फिलहाल प्रशासन द्वारा स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है और इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई है।

# अलसी फसल के उत्पादन व मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने कृषक प्रशिक्षण आयोजित

## केवीके बेमेतरा में 60 से अधिक किसानों को दी गई उन्नत तकनीकों की जानकारी

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

**बेमेतरा** । प्रदेश में तिलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने तथा अलसी फसल के विपुल उत्पादन और उसके मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके) बेमेतरा द्वारा कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय समन्वित अलसी अनुसंधान परियोजना, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर तथा कृषि विभाग बेमेतरा के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड बेमेतरा के चयनित ग्रामों में अलसी की उन्नत किस्मों का किसानों के प्रक्षेत्र में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (फ्रंट लाइन डेमो) संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को अलसी फसल के वैज्ञानिक उत्पादन, प्रबंधन तथा मूल्य संवर्धन से संबंधित तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. संदीप भंडारकर, अधिष्ठाता, रेवेन्द्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र ढोलिया, डॉ. संजय द्विवेदी, प्रमुख वैज्ञानिक (सस्यविज्ञान), इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, डॉ. टी.डी. साहू, सह प्राध्यापक, डॉ. साक्षी बजाज, सहायक प्राध्यापक, डॉ. राजेश एक्का, कीट वैज्ञानिक तथा श्री तोषण कुमार ठाकुर, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र बेमेतरा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. संदीप भंडारकर ने देश में तिलहनी फसलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को उन्नत किस्मों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि तिलहनी फसलों का रकबा और उत्पादन बढ़ाकर देश में खाद्य तेल के आयात को कम किया जा सकता है तथा भारत को खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। वहीं डॉ. संजय द्विवेदी ने अलसी के पौष्टिक गुणों तथा उसके वैज्ञानिक उत्पादन तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अलसी एक ऐसी तिलहनी फसल है जिसे अपेक्षाकृत कम पानी की आवश्यकता होती है, इसलिए किसानों को धान की खेती के विकल्प के रूप में भी अलसी की खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे इसके क्षेत्रफल में वृद्धि हो सके और किसानों को अतिरिक्त आय का स्रोत प्राप्त हो।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ. साक्षी बजाज ने अलसी फसल में खरपतवार नियंत्रण की तकनीकों के बारे में जानकारी दी, जबकि डॉ. राजेश एक्का ने कीट प्रबंधन से संबंधित उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। वहीं डॉ. टी.डी. साहू ने अलसी के मूल्य संवर्धित उत्पादों तथा अलसी के रेशे से हैंडलूम उत्पाद तैयार करने की संभावनाओं के बारे में किसानों को बताया। कार्यक्रम में केवीके बेमेतरा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्री तोषण कुमार ठाकुर ने अलसी फसल के प्रदर्शन कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए किसानों को फसल चक्र अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि फसल चक्र अपनाने से न केवल मृदा स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि फसलों में रोग एवं कीट प्रकोप की संभावना भी कम हो जाती है और कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बेहतर होती है।

कार्यक्रम के बाद विश्वविद्यालय के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. संजय द्विवेदी के नेतृत्व में लाभान्वित किसानों के प्रक्षेत्रों का भ्रमण एवं निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान निरीक्षण दल में वैज्ञानिक श्री डोमन सिंह टेकाम, डॉ. राजेश एक्का तथा क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री राजेश कुमार टंडन भी शामिल रहे। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. जितेन्द्र जोशी, डॉ. लव कुमार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री वी.के. टंडन सहित जिले के 60 से अधिक किसान उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को अलसी की उन्नत खेती, उत्पादन तकनीक तथा मूल्य संवर्धन की जानकारी प्राप्त हुई, जिससे भविष्य में जिले में तिलहनी फसलों के क्षेत्रफल और उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद जताई जा रही है।

# शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने अधिकारियों को जवाबदेही से करना होगा कार्य-कलेक्टर

## समय-सीमा बैठक में लंबित प्रकरणों की समीक्षा, लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

**बेमेतरा।** कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष (दिशा भवन) में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी अधिकारियों को जवाबदेही पूर्वक कार्य करना अनिवार्य होगा।

कलेक्टर ने योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रशासनिक कसावट लाने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन विभागों की प्रगति अपेक्षित स्तर पर नहीं पाई जाएगी, उनके जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि केवल कागजी प्रगति पर्याप्त नहीं है, बल्कि योजनाओं का वास्तविक लाभ धरातल पर दिखना चाहिए।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, महिला सशक्तिकरण एवं अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि इन योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से फील्ड विजिट कर योजनाओं का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने समय-सीमा का कड़ाई से पालन करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा और आवश्यक होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और विकास कार्यों में गति लाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे आमजन से जुड़े मामलों को गंभीरता से लें और समाधान केंद्रित दृष्टिकोण अपनाएं।

### पूर्व बैठक के निर्देशों की भी हुई समीक्षा

बैठक में पूर्व में आयोजित समय-सीमा बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने पाया कि कुछ विभागों में प्रगति संतोषजनक नहीं है, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सतत मॉनिटरिंग और समन्वय आवश्यक है। कलेक्टर ने सभी विभागों को लक्ष्य आधारित कार्य योजना तैयार कर समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने दोहराया कि जो अधिकारी निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफल रहेंगे, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रमुख एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

# बेमेतरा जिले में शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ

## मंगलवार और शुक्रवार को आंगनबाड़ी केंद्र एवं स्वास्थ्य केंद्रों में पिलाई जाएगी विटामिन ए और आयरन की सिरप

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

**बेमेतरा।** स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा शिशु संरक्षण माह अर्धवार्षिक विटामिन ए अनुपूरक कार्यक्रम कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन में दिनांक 17 मार्च से 21 अप्रैल 2026 तक पूरे एक माह तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को नियमित टीकाकरण दिवस पर आयोजित किया जायेगा। जिसका जिला स्तरीय शुभारंभ आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-01 वार्ड क्रमांक 14 सिंघौरी, बेमेतरा में आज दिनांक 17 मार्च 2026 को माननीय श्री टाकेश्वर साहू जी, पार्षद, वार्ड क्रमांक-14 एवं श्री प्रकाश ठाकुर जी, पार्षद वार्ड क्रमांक-13, नगर पालिका बेमेतरा के गरिमामयी उपस्थिति में बच्चों को विटामिन-ए सिरप पिलाकर एवं आई.एफ.ए. (आयरन फॉलिक एसिड) की सिरप का वितरण करके किया गया,उक्त अवसर पर डी आई ओ डॉ शरद कोहाड़े स्वयं उपस्थित रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि अभियान के दौरान शिशु स्वास्थ्य संवर्धन से संबंधित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गतिविधियों का सफल संचालन व सेवाओं की प्रदायगी व सुदृढ़ीकरण किया जावेगा। शिशु संरक्षण माह कार्यक्रम के तहत 6 माह से लेकर 05 वर्ष के कुल 96366 बच्चे जिन्हे आयरन सिरप देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इसी प्रकार 09 माह से 05 वर्ष तक के कुल 91014 बच्चों को विटामिन ए सिरप की खुराक समस्त शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं आंगनबाडी केन्द्रों एवं टीकाकरण सत्र स्थल पर प्रदाय करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिले में उक्त सेवाएं नि:शुल्क प्रदाय किया जायेगा जो कि मंगलवार एवं शुक्रवार को स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, मितानिनों द्वारा दी जायेगी, अभियान के दौरान गंभीर कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन करते हुए उन्हे पोषण पुनर्वास केन्द्र जिला चिकित्सालय बेमेतरा में पोषण आहार की प्रदायगी सहित पूनर्वास हेतु भर्ती किया जायेगा, इसके साथ ही बच्चों का हिमोग्लोबिन जांच, गर्भवती माताओं की जांच एवं बच्चों का टीकाकरण नियमित रूप से किया जायेगा।

कलेक्टर महोदया सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के द्वारा सभी जिलेवासीयों को शिशु संरक्षण माह में अपने 6 माह से 5 वर्ष तक आयु के बच्चों को विटामिन 'ए' और आयरन सिरप की खुराक देने और नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं जो कार्यक्रम के दौरान दी जायेगी उनका लाभ लेने हेतु अपील किया गया।

# नशापान समाज के लिए अभिशाप, इस पर पूर्णत: नकेल कसने कठोर कार्रवाई करें- कलेक्टर

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

**बेमेतरा।** कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिलाधिकारियों की नार्कोटिक्स कोऑर्डिनेशन सेंटर समिति की बैठक लेकरच विस्तृत समीक्षा की।कलेक्टर ने नशे के खिलाफ %जीरो टॉलरेंस% नीति अपनाने के सख्त निर्देश दी है। उन्होंने जिले में नशे के कारोबार पर नकेल कसने और युवाओं को ड्रग्स की गिरफ्त से बचाने के लिए आवश्यक निर्देश दी है। कलेक्टर ने कहा कि

नशा न केवल एक व्यक्ति को बल्कि पूरे परिवार और समाज को खोखला कर देता है। हमारी प्राथमिकता आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ना और युवाओं को इस दलदल से बाहर निकालना है।

### विभागीय समन्वय से कार्य कर नशे के कारोबार पर अंकुश लगाए

बैठक में कलेक्टर ने पुलिस और आबकारी विभाग को स्पष्ट चेतावनी दी है कि नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए।कलेक्टर ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए विभागवार समीक्षा की। उन्होंने मेडिकल स्टोर्स की सघन जांच करने के लिए स्वास्थ्य विभाग और ड्रग इंस्पेक्टर को निर्देशित की। जिले में संचालित मेडिकल स्टोर्स का नियमित निरीक्षण करने कहा।

### शिक्षण संस्थानों के पास निगरानी रखा जाए

बच्चों में नशापन को मिटाने के उद्देश्य से शिक्षण संस्थानों के पास निगरानी रखने ,स्कूल और कॉलेजों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ या तंबाकू उत्पाद की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंधित करने निर्देशित की है।

हॉटस्पॉट का चिन्हांकन करने कहा कलेक्टर ने कहा कि हॉटस्पॉट का चिन्हांकन करने कहा है। उन्होंने पुलिस विभाग को जिले के उन इलाकों को चिन्हित करने के निर्देश दिए गए जहाँ नशे की गतिविधियां अधिक सक्रिय हैं। ऐसे क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से विशेष निगरानी रखी जाएगी। बैठक में यह चर्चा की गई कि केवल कार्रवाई से नशा खत्म नहीं होगा, इसके लिए सामाजिक जागरूकता जरूरी है। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिया कि प्रार्थना सभाओं और कार्यशालाओं के माध्यम से छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए।

# भाटापारा से बिलासपुर की ओर बायपास सड़क की पुरजोर मांग

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

**भाटापारा।** शहर में भारी वाहनों के लगातार प्रवेश को ध्यान में रखकर व जटिल हो रही यातायात व्यवस्था को मद्दे नजर रखते हुए लोगो ने एक बार पुन: भाटापारा बिलासपुर मार्ग की ओर शीघ्र बायपास रोड बनाने की मांग की है। मौजुदा समय मे महानदी कसडोल क्षेत्र से रोजाना सैकड़ो हैवी वाहनों में रेत लोड होकर प्रात: 5 बजें से देर रात तक तेज रफतार से भाटापारा रेलवे ओव्हर ब्रिज कॉलेज मार्ग खोलवा देवरी , सेमरिया घाट के रास्ते बिलासपुर व मुंगेली एवं बेमेतरा की ओर जा रही है जिसके कारण बस स्टैण्ड चौक में अधिक्तर समय यातायात बाधित हो रहा है क्याकि इसी मार्ग से कृषि उपज मंडी में धान व उन्हारी की आवक वाली तमाम वाहन तथा सब्जी लदे हुए वाहनों के अलावा अंबुजा , टाटा , लाफार्ज ,अल्ट्राटेक , श्री सीमेंट , बांगड़ सीमेंट सहित रवान , रावन ,हिरमी चंडी , ग्रासीम एवं अन्य स्थानों की ओर आने जाने वाली हजारों छोटे बड़े वाहनों का काफिला शहर के भीतर बस स्टैण्ड चौंक से ही आवा जाही कर रहे है जिसके कारण अधिक्तर समय सड़क पर जाम के हालात बन रहे है उसको मद्दे नजर रखते हुए एक लंबे समय से जारी बायपास सड़क निर्माण की मांग को पुरा किये जाने का वक्त अब आ गया है। एक ओर जहां खरोरा ,सुहेला मार्ग की ओरसे बायपास सड़क उपलब्ध है वहीं अतिमहत्वपूर्ण व्यस्त सड़क मार्ग भाटापारा - बिलासपुर सड़क मार्ग पर रोजाना हजारों की संख्या में आवा जाही कर रहे छोटे बड़े सभी प्रकार के वाहनों की भारी तादाद को देखते हुए इस दिशा में बायपास मार्ग का निर्माण सुरखी से दतरेंगी , सेमरियाघाट होते हुए बनाये जाने की नितांत आवश्यकता है ताकि शहर को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिल सके व शहर के भीतर केवल आवश्यक सेवा व निजी स्कूलों के वाहन आ जा सके। इस दिशा में नागरिकों ने शासन प्रशासन से पुन: मांग करते हुए भाटापारा से बिलासपुर की ओर अतिशीघ्र बायपास मार्ग निर्माण की स्वीकृति की मांग पुन: दोहराई है।

# परसदा रेलवे फाटक 25 को स्थायी रुप से बंद होगा, अंडरब्रिज से आवाजाही शुरु होगी

ब्यूरो प्रमुख रतन कुमार

**बालोद।** रेलवे विभाग की ओर से दुर्ग-ताडोकी रेललाइन में रिसामा गुंडरदेही में स्थित परसदा फाटक को 25 मार्च से स्थायी रुप से बंद करने का निर्णय लिया गया है। दरअसल यह निर्णय अंडरब्रिज तैयार होने के बाद लिया गया है। रेलवे के अनुसार अंडरब्रिज निर्माण के बाद फाटक को स्थायी रुप से बंद करने की सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। अंडरब्रिज से लोग आना-जाना कर सकेंगे।

# सहायक विकास विस्तार अधिकारी पद पर दिवाकर सिंह का चयन, क्षेत्र में खुशी

**थान खम्हरिया।** थाना खम्हरिया समीप ग्राम गतापार निवासी दिवाकर सिंह का सहायक विकास विस्तार अधिकारी पद पर चयन हुआ है। वे भाजपा मंडल महामंत्री घनश्याम सिंह के छोटे भाई हैं। चयन के उपरांत उन्होंने जनपद पंचायत साजा में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर उनके मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने साजा विधायक ईश्वर साहू से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि सहायक विकास विस्तार अधिकारी एक महत्वपूर्ण शासकीय पद है, जो ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अहम भूमिका निभाता है। यह पद ग्राम स्तर पर प्रशासनिक कार्यों के संचालन एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान करता है।

# रोहरा में जल संचयन का शपथ लिया गया

**भाटापारा।** ग्राम रोहरा के पंचायत भवन में राष्ट्रीय जल मिशन शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ जहां सचिव गज्जु यदु ने पानी बचाने और उसके विवेकपुर्ण उपयोग व जल न बहाने की अपील की गई। समुचित उपयोग पानी की हर एक बन्द का संचयन उपयोग करने पेयजल स्वच्छता व्यवस्था अभियान को बढावा देने पानी को एक अनमोल संपदा मानते हुए ही इसका उपयोग पर शपथ ली गई। पानी टंकी एवं सामुहिक नल कनेक्शनो के आस पास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने समस्त ग्रामीण जनो से अपील किया गया। भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष विनोद मिश्रा ने गांव के लोगो को बताया कि जल स्तर नीचे जा रहा है जिसका व्यवस्थित उपयोग जरूरी है। उन्होंने जनता से अपील की कि पानी का समुचित उपयोग करें। कार्यक्रम में सरपंच गुलाब साहू ,मनराखन यदु ,सचिव गज्जु यद्, मुन्ना पाल ,आंगनबाड़ी सहायिका पत्रकार, शिवकुमार यदु सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे।

# पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026' में भाजपा युवा मोर्चा भिलाई ने झोंकी पूरी ताकत

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय निर्देश एवं प्रदेश के आह्वान पर भाजपा जिला भिलाई के नेतृत्व में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026' के तहत मंडल स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान में भाजपा युवा मोर्चा जिला भिलाई की टीम पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जुटी हुई है।

प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, नीतियों और संगठनात्मक कार्यशैली की गहन जानकारी दी जा रही है, ताकि वे आमजन के बीच भाजपा के संदेश को प्रभावी ढंग से पहुंचा सकें। युवा मोर्चा द्वारा शिविर की तैयारियों में पूरी ताकत झोंक दी गई है और इसे सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं के कौशल को निखारना और उन्हें संगठन के प्रति और अधिक सशक्त एवं समर्पित बनाना है। शिविर में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जा रहा है, जिससे कार्यकर्ताओं की वैचारिक समझ मजबूत हो सके।

जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल ने बताया कि यह प्रशिक्षण महाअभियान मंडल स्तर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वैचारिक रूप से मजबूत, संगठनात्मक रूप से सक्षम और समाज सेवा के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को जन-जन तक पहुंचाकर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। यह प्रशिक्षण वर्ग केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भाजपा के संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करने का माध्यम है। इसमें तकनीक और विचारों के समन्वय से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। जिलास्तरीय वर्गों में विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की जा रही है, जिसकी जानकारी जिला मीडिया प्रभारी जयंत शर्मा ने दी।

# भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाए जाने पर ओमप्रकाश जोशी का स्वागत, कार्यकर्ताओं में उत्साह

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

**थान खम्हरिया।** भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों की नई सूची जारी किए जाने के बाद नगर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। नगर के हृदय स्थल जय स्तंभ चौक में जैसे ही कार्यकर्ताओं को जानकारी मिली, बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एकत्रित हुए और पंडित ओमप्रकाश जोशी को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाए जाने पर उन्हें बधाई दी।

पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी की संगठन में मजबूत पकड़ रही है। बेमेतरा, कवर्धा सहित अन्य जिलों में भी उनकी विशेष पहचान है और वे एक प्रखर वक्ता के रूप में जाने जाते हैं। उनके मनोनयन पर कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की तथा एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

प्रदेश कार्यसमिति में 84 सदस्यों को स्थान दिया गया है, वहीं 25 विशेष आमंत्रित एवं 69 स्थायी आमंत्रित सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है।

इस अवसर पर ओमप्रकाश जोशी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है, जो मां भारती की सेवा एवं राष्ट्र के वैभव के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह दायित्व उन्हें कार्यकर्ताओं के स्नेह और आशीर्वाद से मिला है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी में एक कार्यकर्ता के रूप में निरंतर कार्य करते रहें, समय आने पर उसका प्रतिफल अवश्य मिलता है। इस अवसर पर जिला महामंत्री राजेश ठाकुर, संजय सिंघानिया, अनील सिंघानिया, जनभागीदारी समिति महाविद्यालय के अध्यक्ष राजेश सिंघानिया सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चंद्रशेखर राजपूत (प्रदेश सदस्य, किसान संगठन), महामंत्री घनश्याम सिंह राजपूत, जिला मंत्री सुरेश सिंघानिया, जिला उपाध्यक्ष आदर्श जोशी, नमिता सिन्हा, दीपक बंसल, विष्णु जोशी, अतुल सिंघानिया, राहुल छाबड़ा, दाऊ देवांगन, संदीप देवांगन, वीरेन्द्र जोशी, श्रीकांत जोशी, हरि अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, पुरुषोत्तम सिंघानिया, पुरुषोत्तम अग्रवाल, नेहा भैया, राम लहरे (पार्षद), मनीष रात्रे, मनीष सेन, चंद्रप्रताप सिंह बैस, राज शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

# साहित्य सेवा के साथ अपनी रचनाओं से प्रेरणा दे रहीं डॉ. माथुर- राकेश पांडेय

ब्यूरो प्रमुख रतन कुमार

**दल्लीराजहरा।** नगर की वरिष्ठ साहित्यकार, कवयित्री एवं समाजसेविका डॉ. शिरोमणि माथुर की पांच पुस्तकों का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर साहित्य, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के मुख्य अतिथि राकेश पांडे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेश कुमार चंद्रवंशी ने की। विशिष्ट अतिथियों में हेमचंद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार भूपेंद्र कुलदीप, नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू, विधायक प्रतिनिधि पीयूष सोनी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी एवं जिला भाजपा महामंत्री सौरभ लूनिया शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद आयोजक कैलाश बरमेचा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। मंचासीन अतिथियों द्वारा डॉ. माथुर की पांचों पुस्तकों का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि राकेश पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि दल्लीराजहरा से उनका लगभग 40 वर्षों पुराना जुड़ाव है और डॉ. माथुर से उनकी पहचान भी लंबे समय से रही है। उन्होंने कहा कि मां सरस्वती की कृपा से डॉ. माथुर निरंतर साहित्य सेवा कर रही हैं और समाज को अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रेरित कर रही हैं।

एमए हिंदी में डॉ. माथुर की एक पुस्तक शामिल कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सुरेश कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि इस आयु में भी निरंतर साहित्य सृजन करना अत्यंत सराहनीय है और डॉ. माथुर समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। विशेष अतिथि भूपेंद्र कुलदीप ने बताया कि विश्वविद्यालय के एमए हिंदी पाठ्यक्रम में डॉ. माथुर की एक पुस्तक को शामिल किया गया है तथा भविष्य में उनके साहित्य पर शोध कार्य होने की संभावना भी जताई।

# चैत्र नवरात्रि पर देवी मंदिरों में ज्योत स्थापना, भक्तिमय हुआ माहौल

ब्यूरो चीफः अनिल सिंघानिया

थान खमरिया। चैत्र नवरात्रि 2026 की शुरुआत के साथ ही नगर के विभिन्न देवी मंदिरों में भव्य आयोजन प्रारंभ हो गए हैं। नवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिरों में विधि-विधान से ज्योत स्थापना की गई, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है।

नगर के दुर्गा मंदिर कुटीधाम, शीतला मंदिर, महामाया मंदिर (भाटापारा), चंडी मंदिर कर्मू एवं सिद्धपीठ चंडी मंदिर गौर माटी में मनोकामना ज्योत एवं अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। नवरात्रि के प्रथम दिन विशेष पूजा-अर्चना के पश्चात घट स्थापना संपन्न हुई।

श्रद्धालु पूरे नौ दिनों तक माता रानी की भक्ति में लीन रहेंगे। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से विशेष संयोगों के साथ प्रारंभ हुई है। करीब 9 वर्षों बाद ऐसा दुर्लभ योग बना है, जब नवरात्रि के प्रथम दिन तिथि क्षय की स्थिति रही और उदयात अमावस्या तिथि का संयोग बना।

इस अवसर पर पंडित ओमप्रकाश जोशी ने बताया कि धर्मशास्त्र एवं देवी पुराण के अनुसार देवी पूजा का प्रारंभ प्रात:काल में करना श्रेष्ठ माना गया है। इसी के चलते सुबह 6:53 बजे से 10:36 बजे तक शुभ मुहूर्त में घट स्थापना की गई। इस दौरान मंदिरों में विशेष अनुष्ठान एवं देवी आराधना संपन्न हुई।

मंदिर परिसर जय माता दी के जयकारों से गुंजायमान रहा। आचार्यों द्वारा विधि-विधान से पूजा-पाठ एवं मंत्रोच्चार कर ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए। इस अवसर पर पंडित व्यास नारायण पांडे, आचार्य ओमप्रकाश जोशी, महेंद्र विरदी, प्रताप सिंह छाबड़ा, अनिल सिंघानिया, अशोक बिंदल, हरि शरण क्षत्रिय, राजेंद्र दुबे, पूरन कश्यप, लोकनाथ पटेल, गोवर्धन पटेल, थानेश्वर पटेल, तोषु राम वर्मा, जितेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# भिलाई निगम की बड़ी पहल : अब खुद का पेट्रोल पंप खोलेगा नगर निगम, हर महीने लाखों की होगी बचत

ब्यूरो चीफ रतन कुमार

भिलाई। भिलाई नगर निगम ने अपने बढ़ते ईंधन खर्च को नियंत्रित करने और आय के नए स्रोत विकसित करने के लिए एक अहम योजना तैयार की है। भिलाई नगर निगम अब शहर में अपना खुद का पेट्रोल पंप शुरू करने जा रहा है, जिससे निगम को आर्थिक रूप से बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है।

दोहरा लाभ- बचत भी, कमाई भी

निगम प्रशासन के अनुसार इस पहल से 'डबल बेनिफिट' मिलेगा। वर्तमान में निगम अपने वाहनों के लिए हर महीने करीब 50 लाख रुपये ईंधन पर खर्च करता है। खुद का पेट्रोल पंप शुरू होने से निजी पंप संचालकों को मिलने वाला कमीशन अब सीधे निगम के खाते में आएगा। साथ ही यह पंप आम जनता के लिए भी खुला रहेगा, जिससे अतिरिक्त आय का स्रोत तैयार होगा और निगम की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

## भुगतान की समस्या से मिलेगी राहत

निजी पेट्रोल पंपों पर निर्भरता के चलते कई बार भुगतान में देरी होने पर ईंधन आपूर्ति प्रभावित होती थी। निगम का अपना पंप शुरू होने से इस समस्या से पूरी तरह निजात मिलेगी और निगम के वाहनों को बिना किसी बाधा के पेट्रोल-डीजल उपलब्ध हो सकेगा।

## कुरूद के भगवा चौक पर जमीन चिन्हित

इस परियोजना के लिए कुरूद स्थित भगवा चौक के पास लगभग आधा एकड़ जमीन चिन्हित की गई है। जमीन आवंटन की प्रक्रिया पूरी होते ही लाइसेंस और अन्य आवश्यक विभागीय औपचारिकताएं शुरू कर दी जाएंगी।

## रायपुर और बिलासपुर की तर्ज पर पहल

गौरतलब है कि रायपुर और बिलासपुर नगर निगम पहले ही इस मॉडल को अपना चुके हैं, जहां इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। भिलाई निगम की आय अभी मुख्य रूप से प्रॉपर्टी टैक्स, वॉटर टैक्स और यूजर चार्ज पर निर्भर है, ऐसे में यह पहल आय बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है।

# भिलाई के अहमदनगर में दो पक्षों के बीच झड़प, इलाके में तनाव का माहौल

**भिलाई।** भिलाई के पावर हाउस क्षेत्र स्थित अहमदनगर में दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना सामने आई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विवाद दो समुदायों के युवकों के बीच हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया।

बताया जा रहा है कि किसी मामूली बात को लेकर शुरू हुआ विवाद अचानक बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। इस दौरान लाठी-डंडों से मारपीट की गई, जिसमें कुछ लोगों को चोटें आई हैं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रशासन ने क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन एहतियात के तौर पर इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई है।

# एकल ग्रामोत्थान फाऊंडेशन के तत्वाधान में सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का हुआ शुभारंभ

**रायपुर।** एकल ग्रामोत्थान फाऊंडेशन के अंतर्गत सिलाई प्रशिक्षण केंद्र (WEC) का सरगुजा के श्रीनगर में जनपद कार्यलय के पास संजय यादव के घर में सिलाई केंद्र का उद्घाटन संपन्न हुआ । अंचल समिति के द्वारा मां सरस्वती, मां भारती के छाया चित्र पर पुष्प अर्पण , दीप प्रज्वलन, ओम का उच्चारण, गायत्री मंत्र करके कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, सामाजिक कार्यकर्ता, अंचल समिति के पदाधिकारी, महिला समिति, प्रशिक्षकगण, स्थानीय महिलाएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। जिसमे प्रमुख रूप से

* श्रीमती लता गोयल जी (एकल संभाग वात्सल्य संच प्रभारी)
* श्रीमती निशा अग्रवाल जी
* (उपाध्यक्ष, महिला समिति)
* श्री राजेश साहू जी (संगठन प्रभारी अंचल सूरजपुर, wec सेंटर प्रभारी)
* श्री अंजनी पाल जी (अध्यक्ष, श्रीहरि कथा योजना)
* श्री पवन जी (अध्यक्ष, जागरण समिती गतिविधि विभाग)
* श्रीमती पिंकी गोयल जी (समिती सदस्य)
* श्री अशोक रजवाड़े जी (सचिव, हरि कथा )
* श्री सुंदर लाल जी (सचिव, अंचल सूरजपुर)
* श्री अनूप दुबे जी ( मीडिया प्रभारी)
* श्री शिवम दुबे जी( समिती सदस्य)
* श्री पियूष साहू जी( युवा प्रभारी)
* श्री यादवेंद्र दुबे जी (जागरण प्रभारी)
* श्रीमती उषा रजवाड़े (समिती सदस्य)
* श्री पियूष सिंह जी (सरपंच, ग्राम पंचायत कौसलपुर)

एवं ऑनलाइन के माध्यम से जुड़े दिल्ली ऑफिस से

* श्री हिमांशु मेहरा जी (प्रोजेक्ट हेड , दिल्ली)
* श्री रोहित जी (WEC प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर दिल्ली)
* श्री ओमकार साहू जी ( ग्रामोत्थान प्रमुख मध्य छत्तीसगढ़) एवं कार्यकर्ता
* हिम्मन कुमार ( ग्रामोत्थान प्रमुख दंडकारण्य छ.ग.)
* श्री रामनारायण प्रजापति जी (गतिविधि प्रमुख, अंचल सूरजपुर)
* श्री बोधन प्रजापति जी (अंचल प्राथमिक शिक्षा प्रमुख श्रीनगर)
* श्री राजेश कुमार यादव( अंचल कार्यालय प्रमुख श्रीनगर)
* श्री सुनील कुमार प्रजापति( संच प्रमुख श्रीनगर)
* श्रीमती नंदनी राजवाड़े( सिलाई प्रशिक्षक)
* श्री राहुल कुमार प्रजापति (फील्ड कॉर्डिनेटर)
* श्री हेमंत कुमार रजवाड़े ( संच व्यास)
* श्री श्रावण कुमार ( संच प्रमुख)
* श्री नारायण सिंह ( संच प्रमुख केतका)
* श्री धनुर्जय सिंह( श्री हरि रथ सारथी)
* श्री रामावतार जी ( रथ योजना प्रमुख)
* श्री विजय कुमार जी ( रथ पुजारी)
* सुश्री भुनेश्वरी ( संच व्यास श्रीनगर)
* सुश्री शिवकुमारी जी (संच व्यास जयनगर)
* श्रीमती कांता दीदी ( संच व्यास कृष्णापुर)
* श्री जनेऊधारी( कार्यालय सहायक)

एवं आचार्यों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

सभी अतिथियों ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में WEC श्रीनगर की भूमिका को अत्यंत सराहनीय बताया।

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मुख्य अथिति द्वारा केंद्र के उद्देश्यों, प्रशिक्षण गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी साझा की गई। बताया गया कि इस केंद्र के माध्यम से महिलाओं को सिलाई एवं स्वरोजगार से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षण से जुड़ने का आह्वान किया तथा संस्था के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।

WEC श्रीनगर का यह उद्घाटन कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक कदम सिद्ध हुआ ।

# ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण सम्पन्न

## कलेक्टर एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने सुरक्षा व प्रबंधन व्यवस्था का लिया जायजा

**बेमेतरा।** जिला कार्यालय परिसर स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मार्च माह का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण आज प्रातः 11 बजे शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुआ। निरीक्षण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के नेतृत्व में संयुक्त रूप से किया गया, जिसमें विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।

निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था का गहन परीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, ताले एवं सील की स्थिति, डबल लॉक सिस्टम, अभिलेख पंजी (रिकॉर्ड रजिस्टर) तथा प्रवेश-निकास प्रक्रिया का सूक्ष्म अवलोकन किया गया। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि निर्वाचन से संबंधित सभी ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षित एवं संरक्षित रूप से रखी गई हैं।

इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री ममगाईं ने कहा कि ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता का आधार हैं, अतः इनके भंडारण, रखरखाव एवं सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही कतई स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को निरंतर सुदृढ़ बनाए रखें तथा निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी प्रोटोकॉल एवं मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री गुड्डू लाल जगत, जिला कोषालय अधिकारी, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से वेयरहाउस की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए आवश्यक बिंदुओं पर संतुष्टि व्यक्त की। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी निरीक्षण प्रक्रिया में भाग लेते हुए वेयरहाउस की सुरक्षा एवं प्रबंधन व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने इसे निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं जनविश्वास बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

कलेक्टर ने जानकारी दी कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक तिमाही में ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का आंतरिक निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाता है, ताकि उपकरणों की सुरक्षा, पारदर्शिता एवं निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके। समग्र रूप से यह निरीक्षण प्रक्रिया शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई, जिससे जिले में आगामी निर्वाचन संबंधी तैयारियों की सुदृढ़ता एवं प्रशासनिक सजगता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

# भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में छात्राओं का रहा दबदबा

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

**थान खमरिया।** शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन अक्टूबर 2025 में किया गया था, जिसका परिणाम अब घोषित कर दिया गया है।

सरस्वती ज्ञान मंदिर हाई स्कूल देवरबीजा के छात्र-छात्राओं ने इस परीक्षा में उत्साहपूर्वक भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

कक्षा नवमी में छात्राओं ने शानदार सफलता प्राप्त की, जिसमें चांदनी देवांगन (पिता- विजय देवांगन) ने प्रथम स्थान, दीपिका ठाकुर (पिता- लोकेश्वर सिंह ठाकुर) ने द्वितीय स्थान एवं प्रिया राजपूत (पिता- सुंदर राजपूत) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय के प्राचार्य पुष्पराज सेन ने तीनों छात्राओं को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था प्रभारी सतरूपा सेन सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्यालय परिवार ने सभी सफल छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

# राज्यस्तरीय सम्मान कर्मवीर रत्न से सम्मानित व्याख्याता पुष्पेंद्र सिंह

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

**थान खमरिया।** रायपुर स्थित वृंदावन हॉल, सिविल लाइन में शिक्षक कला प्रतिभा अकादमी छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में एक भव्य एवं गरिमामय राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि मान. श्री गुरु खुशवंत साहेब जी (कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन) एवं अध्यक्षता सुश्री मोना सेन जी (अध्यक्ष, छ.ग. फिल्म विकास निगम) तथा श्रीमती कविता प्राण लहरे जी (विधायक, बिलाईगढ़) की गरिमामयी उपस्थिति में, संस्थापक राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित श्री संजय कुमार मेहता तथा अध्यक्ष राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती मीना भारद्वाज जी एवं समस्त प्रदेश पदाधिकारियों के सौजन्य से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से पधारे उत्कृष्ट शिक्षकों, समाजसेवियों एवं कलाकारों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए राज्य स्तरीय कर्मवीर रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया।

उक्त समारोह में शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला नवागांव कला, विकासखंड - साजा, जिला - थान खमरिया (छ.ग.) के व्याख्याता श्री पुष्पेंद्र सिंह राजपूत को उनके उत्कृष्ट शैक्षिक कार्य, सामाजिक सेवा, साहित्य सृजन, गायन प्रतिभा, वृक्षारोपण, गौ सेवा तथा संगठन के प्रति समर्पित योगदान के लिए राज्य स्तरीय कर्मवीर रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।

इसके पूर्व उन्हें छत्तीसगढ़ गौरव एवं समाज गौरव रत्न से भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान चिन्ह प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

यह आयोजन केवल एक सम्मान समारोह ही नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक और रचनात्मक कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए प्रेरणा का एक सशक्त मंच बनकर उभरा। शिक्षकों एवं ग्रामवासियों द्वारा हर्षोल्लास के साथ बधाई दी गई।

## जन्मदिन 18 मार्च पर विशेष

# इंडियन एक्टर-प्रोड्यूसर-डायरेक्टर शशि कपूर

इंडियन सिनेमा के सबसे चार्मिंग और पसंदीदा एक्टर्स में से एक शशि कपूर न सिर्फ़ एक ज़बरदस्त एक्टर थे, बल्कि एक नई पहचान बनाने वाली पर्सनैलिटी भी थे, जो पृथ्वी थिएटर को फिर से शुरू करने के लिए ज़िम्मेदार थे।

इंडियन एक्टर-प्रोड्यूसर-डायरेक्टर शशि कपूर, जिन्हें चार नेशनल फ़िल्म अवॉर्ड और दो फ़िल्मफ़ेयर अवॉर्ड मिले, ने 160 से ज़्यादा फ़िल्में बनाईं। इंडियन सिनेमा में उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें 2011 में पद्म भूषण और 2014 में दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित किया।

शशि कपूर का जन्म 18 मार्च, 1938 को कलकत्ता में पृथ्वीराज कपूर और रामसरनी मेहरा कपूर के घर बलबीर राज कपूर के तौर पर हुआ था। महान थिएटर और फ़िल्म पायनियर पृथ्वीराज के सबसे छोटे बेटे होने के नाते, शशि कम उम्र से ही परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स में डूब गए थे। उनके बड़े भाई, राज कपूर और शम्मी कपूर, पहले से ही फ़िल्म इंडस्ट्री में धूम मचा रहे थे, जिससे शशि के लिए परिवार की विरासत में शामिल होने का रास्ता तैयार हो गया।

क्रिएटिविटी से भरे घर में पले-बढ़े शशि को थिएटर की दुनिया से उनके पिता के पृथ्वी थिएटर्स के ज़रिए जान-पहचान हुई, जो 1944 में शुरू हुआ था। उन्होंने चार साल की छोटी उम्र में स्टेज पर परफॉर्म करना शुरू कर दिया था, उन्होंने ग्रुप के पहले प्रोडक्शन, "शकुंतला" में भरत का रोल किया था। थिएटर में इस शुरुआती दिलचस्पी ने परफॉर्मेंस और कहानी कहने की उनकी समझ को बनाया। शशि ने मुंबई के माटुंगा में डॉन बॉस्को हाई स्कूल में पढ़ाई की, लेकिन कला के प्रति उनके जुनून ने उन्हें 15 साल की उम्र में फॉर्मल पढ़ाई छोड़कर फुल-टाइम थिएटर करने के लिए मजबूर कर दिया। 1953 से 1960 तक, उन्होंने पृथ्वी थिएटर्स के साथ काम किया, जहाँ उन्होंने स्टेजक्राफ्ट की बारीकियां सीखीं -एक्टिंग से लेकर लाइटिंग और साउंड तक - ये ऐसे स्किल्स थे जिन्होंने बाद में उनके सिनेमाई करियर को बेहतर बनाया।

शशि की फिल्मों में एंट्री 1940 के दशक के आखिर में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर हुई, दूसरे एक्टर के साथ कन्फ्यूजन से बचने के लिए उनका नाम शशिराज रखा गया। उनके शुरुआती रोल्स में आग (1948) और आवारा (1951) जैसी फिल्मों में अपने भाई राज कपूर के छोटे वर्जन के रोल शामिल थे, जिन्हें राज ने डायरेक्ट किया था। उन्होंने संग्राम (1950) में युवा अशोक कुमार के रूप में भी काम किया और दाना पानी (1953) में भारत भूषण के साथ काम किया। सिनेमा में इन शुरुआती कामों ने उनके नैचुरल टैलेंट को दिखाया, यहां तक कि एक बच्चे के रूप में भी।

1956 में, 18 साल की उम्र में, वह ब्रिटिश एक्टर जेफ्री केंडल की शेक्सपियर कंपनी में शामिल हो गए और उन्हें केंडल की एक बेटी, जेनिफर से प्यार हो गया, जिससे उन्होंने बाद में 1958 में शादी कर ली।

एक लीडिंग एक्टर के तौर पर उनका डेब्यू 1961 में यश चोपड़ा की "धर्मपुत्र" से हुआ, जो एक पॉलिटिकल ड्रामा थी और भारत के बंटवारे पर बनी थी। हालांकि यह फिल्म कमर्शियली सफल नहीं रही, लेकिन इसने शशि के बड़े रोल में आने का रास्ता दिखाया। 1962 और 1964 के बीच, उन्हें बिमल रॉय की "प्रेम पत्र (1962)," कनक मिश्रा की "यह दिल किसको दूं" (1963), और एस. खलील की "बेनज़ीर" (1964) जैसी फिल्मों से थोड़ी सफलता मिली, लेकिन इनमें से किसी ने भी उनके करियर को खास बढ़ावा नहीं दिया।

उन्हें 1965 में दो बड़ी हिट फ़िल्मों से ब्रेकथ्रू मिला–यश चोपड़ा की एपिक फ़िल्म "वक़्त" जिसमें शर्मिला टैगोर थीं और सूरज प्रकाश की "जब जब फूल खिले", जो नंदा के साथ एक रोमांटिक ड्रामा थी, जिसने उन्हें एक रोमांटिक हीरो के तौर पर स्थापित कर दिया। फ़िल्म की सफलता, उनके शानदार लुक्स और सहज चार्म ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया।

इसके बाद, उन्हें ठीक-ठाक सफलता मिली, जिसमें "प्यार किए जा (1966)," "हसीना मान जाएगी (1968)," "कन्यादान (1968)," "शर्मीली (1971)," और "आ गले लग जा (1973)" जैसी फ़िल्में शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने 1974 में मुमताज़ के साथ "चोर मचाए शोर" से शानदार वापसी की। यह फ़िल्म एक बड़ी म्यूज़िकल सक्सेस थी और इसमें "घुंघरू की तरह" जैसे मशहूर गाने थे।

"चोर मचाए शोर" से मिली सफलता ने उन्हें स्टार्स की टॉप लाइन में पहुंचा दिया, और "कपड़ा और मकान (1974)," "चोरी मेरा काम (1975)," "फकीरा (1976)" जैसी बॉक्स ऑफिस हिट फिल्में दीं।

1970 के दशक में, वह बॉलीवुड के सबसे बिज़ी एक्टर्स में से एक बन गए, जो अक्सर एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करते थे। अमिताभ बच्चन और डायरेक्टर यश चोपड़ा के साथ उनके कोलेबोरेशन ने उनकी कुछ सबसे आइकॉनिक फिल्में बनाईं। "दीवार (1975)," जिसमें उन्होंने बच्चन के परेशान एंटी-हीरो के सामने ईमानदार पुलिस वाले रवि का रोल किया, उसमें यादगार लाइन "मेरे पास मां है" थी, जो हिंदी सिनेमा के सबसे आइकॉनिक

डायलॉग्स में से एक है। इस रोल के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर अवॉर्ड मिला।

चोपड़ा के दूसरे खास कोलेबोरेशन में "कभी कभी (1976)" शामिल है, जो कई पीढ़ियों की लव स्टोरी थी, जिसमें शशि ने एक समझदार पति का रोल किया था, और "त्रिशूल (1978)" में उन्होंने एक सपोर्टिव सौतेले भाई का रोल किया था। "काला पत्थर (1979)" में एक दयालु इंजीनियर के उनके रोल ने कलाकारों की टोली में गहराई लाने की उनकी काबिलियत को और दिखाया। शशि ने "त्रिशूल," "सत्यम शिवम सुंदरम," "सुहाग," "क्रांति," और "नमक हलाल" जैसी फिल्मों में शानदार परफॉर्मेंस देना जारी रखा।

शशि का करियर इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन टैलेंट के साथ कोलेबोरेशन से बेहतर हुआ। यश चोपड़ा के साथ उनकी पार्टनरशिप ने कई हिट फिल्में दीं, जिसमें कमर्शियल सफलता के साथ इमोशनल गहराई भी थी। अमिताभ बच्चन के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री 11 फिल्मों में देखी गई है। उन्होंने शर्मिला टैगोर (12 फिल्में) और राखी गुलज़ार (10 फिल्में) जैसी एक्ट्रेस के साथ भी अक्सर कोलेबोरेट किया, और यादगार परफॉर्मेंस दीं। जैसे-जैसे समय बीता, वह मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा से ऊब गए और श्याम बेनेगल की जुनून (1978), अपर्णा सेन की 36 चौरंगी लेन (1981), गिरीश कर्नाड की उत्सव (1984), और रमेश शर्मा की न्यू डेल्ही टाइम्स (1986) जैसी फिल्मों में पनाह ली। 1970 और 1980 के दशक की शुरुआत में ज़्यादा सोचने पर मजबूर करने वाले इंडिपेंडेंट सिनेमा के लिए अच्छा माहौल था, और शशि ने इन फिल्मों से मिले आर्टिस्टिक एक्सप्लोरेशन के मौके को अपनाया। उन्हें अपने अलग-अलग रोल के लिए तारीफ़ मिली, जिसमें "जुनून" में एक लापरवाह सरदार, "कलयुग" में एक बिज़नेसमैन, "विजेता" में एक सख्त पिता, और "न्यू डेल्ही टाइम्स" में एक ईमानदार पत्रकार का रोल शामिल है, जिसके लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला।

एक प्रोड्यूसर के तौर पर, शशि ने आर्ट सिनेमा को सपोर्ट किया, "जुनून (1978) और कलयुग (1981)" जैसी फिल्मों को सपोर्ट किया, इन दोनों के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट मूवी अवॉर्ड मिले। अमिताभ बच्चन स्टारर उनकी डायरेक्टोरियल डेब्यू, "अजूबा (1991), एक शानदार लेकिन कमर्शियली असफल वेंचर थी।

बॉलीवुड के अलावा, शशि को मर्चेंट आइवरी प्रोडक्शंस के साथ अपने काम से इंटरनेशनल पहचान मिली। उनकी पहली इंग्लिश फिल्म, द हाउसहोल्डर (1963), इस्माइल मर्चेंट, जेम्स आइवरी और रूथ प्रावर झबवाला के साथ एक लंबे कोलेबोरेशन की शुरुआत थी। 1965 में, आइवरी और झबवाला ने केंडल्स की टूरिंग कंपनी पर आधारित "शेक्सपियर वाला" लिखी, जिसमें जेफ्री, जेनिफर, फेलिसिटी और कपूर ने खुद के काल्पनिक वर्शन निभाए थे। कपूर की दूसरी यादगार फिल्मों में नोएल कावर्ड की कहानी पर आधारित "प्रिटी पॉली" (1967) थी।

उन्होंने "बॉम्बे टॉकी (1970)," "हीट एंड डस्ट (1983), और "द डिसीवर्स (1988)" जैसी इंटरनेशनल फिल्मों में काम किया, जिससे दुनिया भर के दर्शकों के सामने एक बारीक भारतीय नज़रिया आया। हरमन हेस्से के नॉवेल पर आधारित सिद्धार्थ (1972) में उनके रोल ने उनकी इंटरनेशनल पहचान को और मज़बूत किया। आइवरी के पार्टनर, इस्माइल मर्चेंट ने अनीता देसाई के एक नॉवेल पर आधारित "इन कस्टडी (1994)" से अपना डायरेक्शन डेब्यू किया, और कपूर को एक बूढ़े कवि का रोल दिया जो अपनी बुढ़ापे में ज़िंदगी से निराश हो गया था।

एक्टर की दूसरी फिल्मों में कॉनराड रूक्स की सिद्धार्थ (1970), स्टीफन फीयर्स की "सैमी एंड रोज़ी गेट लेड (1987), जिसे हनीफ कुरैशी ने लिखा था, "जिन्ना (1998) क्रिस्टोफर ली के साथ, और टोनी गर्बर की "साइड स्ट्रीट्स" (1998) शामिल हैं। असद राजा की "डर्टी ब्रिटिश" 1999 में रिटायर होने से पहले "बॉयज़" कपूर की आखिरी फ़िल्म थी। 1978 में, अपनी पत्नी जेनिफर केंडल के साथ, उन्होंने मुंबई के जुहू में पृथ्वी थिएटर को फिर से शुरू किया, और इसे क्रिएटिव एक्सप्रेशन का हब बना दिया। मैनेजिंग ट्रस्टी के तौर पर, उन्होंने यह पक्का किया कि यह कमर्शियल दबावों से मुक्त, नॉन-कन्फर्मिस्ट, वैल्यू-ड्रिवन आर्ट के लिए एक जगह बनी रहे।

पृथ्वी थिएटर के लिए शशि का डेडिकेशन पक्का था, यहाँ तक कि बाद के सालों में भी जब चलने-फिरने की दिक्कतों ने उन्हें रोक रखा था। वह खास फेस्टिवल और इवेंट्स में जाते थे, और ऐसा माहौल बनाते थे जिसने थिएटर आर्टिस्ट की कई पीढ़ियों को इंस्पायर किया। उनकी कोशिशों ने पृथ्वीराज कपूर की विरासत को बनाए रखने में मदद की और साथ ही इंडियन थिएटर पर एक गहरा असर डाला।

उनकी कामयाबियों में चार नेशनल फ़िल्म अवॉर्ड, दो फ़िल्मफ़ेयर अवॉर्ड, पद्म भूषण (2011), और दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड (2014) शामिल हैं, जो इंडियन सिनेमा में उनके योगदान को पहचान देते हैं। 2010 में उनके फ़िल्मफ़ेयर लाइफ़टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड ने उनके हमेशा रहने वाले असर को सेलिब्रेट किया।

शशि कपूर और जेनिफर केंडल के तीन बच्चे हुए कुणाल, जो पहले एक्टर थे और ऐड फिल्ममेकर; करण, जो एक एक्टर, मॉडल और फोटोग्राफर हैं; और संजना, जो पृथ्वी थिएटर को मैनेज करती हैं। उनकी शादी प्यार और साथ मिलकर काम करने की पार्टनरशिप थी, जो "बॉम्बे टॉकी" जैसी फिल्मों और पृथ्वी थिएटर पर उनके काम में दिखी। 1984 में कोलन कैंसर से जेनिफर की मौत एक बहुत बड़ा झटका थी, जिससे शशि का दिल टूट गया। उन्होंने दोबारा शादी नहीं की, और खुद को अपने परिवार और काम के लिए समर्पित कर दिया।

अपने आखिरी सालों में, शशि लोगों की नज़रों से दूर हो गए, और लिवर सिरोसिस और दिल की दिक्कतों जैसी हेल्थ प्रॉब्लम से जूझते रहे। 4 दिसंबर, 2017 को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में 79 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। लिवर सिरोसिस के कारण उनकी मौत ने एक युग का अंत कर दिया, लेकिन उनकी विरासत उनके परिवार और उनके द्वारा बनाए गए इंस्टीट्यूशन के ज़रिए ज़िंदा है। शशि कपूर की विरासत कई तरह की है, जिसमें उनकी सिनेमाई उपलब्धियां, थिएटर में उनका योगदान और उनकी पर्सनल ईमानदारी शामिल है। पृथ्वी थिएटर के साथ उनका काम कलाकारों को इंस्पायर करता रहता है, जबकि उनकी फिल्में क्लासिक बनी हुई हैं। मरणोपरांत उन्हें सम्मानित किया गया। 90वें एकेडमी अवॉर्ड्स में श्रीदेवी के साथ मेमोरियम सेक्शन में, शशि का असर सीमाओं से परे है। उनके बच्चे और पोते-पोतियां, जिनमें पोता ज़हान कपूर (2023 में फ़राज़ से डेब्यू किया) भी शामिल है, कपूर विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, यह पक्का करते हुए कि कला में शशि का योगदान हमेशा बना रहे।

# स्कूली बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ समय पर मिले योजनाओं का लाभ- कलेक्टर

*स्कूल शिक्षा एवं आदिवासी विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक सम्पन्न, संयुक्त बैठक में शिक्षा और योजनाओं की हुई गहन समीक्षा*

ब्यूरो चीफ अनील सिंघानिया

**बेमेतरा।** कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिला कार्यालय के दिशा सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग एवं आदिवासी विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का समय पर लाभ सुनिश्चित करना रहा। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बच्चों के भविष्य को सुरक्षित, सुदृढ़ एवं उज्ज्वल बनाने के लिए एक स्पष्ट एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि स्कूली स्तर पर संचालित सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र छात्र-छात्रा तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए।

### गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अधोसंरचना पर विशेष जोर

कलेक्टर ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत, अतिरिक्त कक्षों के निर्माण, पेयजल एवं शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा की। निर्माण कार्यों में लापरवाही या विलंब करने वाली एजेंसियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि बच्चों के अध्ययन के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

### छात्रवृत्ति, परीक्षा परिणाम और मध्यान भोजन पर फोकस

बैठक में कलेक्टर ने छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत पात्र विद्यार्थियों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा परिणामों में सुधार लाने के लिए विशेष कक्षाओं के संचालन, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति की निगरानी एवं शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया। इसके साथ ही मध्यान भोजन योजना की गुणवत्ता एवं नियमितता की भी सतत निगरानी करने के निर्देश दिए गए, ताकि बच्चों को पोषणयुक्त एवं स्वच्छ भोजन मिल सके।

### जाति प्रमाण पत्र निर्माण में लाने होंगे तेजी

कलेक्टर ने कहा कि स्कूली बच्चों के लिए जाति प्रमाण पत्र अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसके अभाव में उन्हें कई शैक्षणिक एवं शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जाति प्रमाण पत्र निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर अनुमोदन योग्य प्रकरणों को शीघ्र प्रस्तुत कर समयबद्ध तरीके से प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

### आदिवासी विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा

बैठक में आदिवासी विकास विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के उत्थान हेतु संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने छात्रावासों की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देते हुए सुरक्षा, साफ-सफाई एवं भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

### फील्ड विजिट और औचक निरीक्षण के निर्देश

कलेक्टर ने अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड विजिट करने तथा स्कूलों एवं छात्रावासों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंचे, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

### संयुक्त प्रयासों से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी

बैठक के अंत में कलेक्टर ने स्कूल शिक्षा एवं आदिवासी विकास विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं संयुक्त प्रयासों से सभी योजनाओं एवं सेवाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि उनके माध्यम से बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाना है। इस दिशा में सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करना होगा।

### बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध

समग्र रूप से बैठक में लिए गए निर्णयों से यह स्पष्ट हुआ कि जिला प्रशासन बच्चों को बेहतर शिक्षा, आवश्यक सुविधाएं एवं योजनाओं का समय पर लाभ दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इन प्रयासों से जिले में शिक्षा के स्तर में सुधार के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को नई दिशा मिलेगी।

## जिले में गौधाम संचालन के लिए 31 तक रूचि की अभिव्यक्ति मंगाई गई

ब्यूरो प्रमुख रतन कुमार

**दुर्ग।** जिले के नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में गौधाम संचालन के लिए इच्छुक संस्थाओं से रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की गई है। गौपालन, गौसंवर्धन एवं गौसेवा के लिए रूचि रखने वाली संस्थाएं छग राज्य गौसेवा आयोग में पंजीकृत संचालित गौपालन की समिति, स्वयं सेवी संस्था, एनजीओ ट्रस्ट तथा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी सहकारी समिति, शहरी, नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गौधाम संचालन हेतु आवेदन कर सकते हैं। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं के अनुसार निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च को दोपहर 3 बजे तक तय की गई है। इच्छुक संस्थाएं अपना आवेदन कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, गौरव पथ पद्मनाभपुर, दुर्ग में कार्यालयीन दिवसों में जमा कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, गौरव पथ पद्मनाभपुर, दुर्ग से कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

## अप्रारंभ एवं अधूरे आवासों पर सख्ती- हितग्राहियों से होगी राशि वसूली, प्रशासन ने जारी की अंतिम चेतावनी

ब्यूरो प्रमुख अनिल सिंघानिया

**बेमेतरा।** जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत आवासों के निर्माण में लापरवाही बरतने वाले हितग्राहियों पर अब प्रशासन सख्त कार्रवाई करने जा रहा है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अप्रारंभ एवं अधूरे पड़े आवासों की समीक्षा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जहां प्रथम किस्त की राशि प्राप्त करने के बावजूद निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया या बीच में ही कार्य रोक दिया गया है।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए चरणबद्ध तरीके से आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, ताकि वे समय पर अपना पक्का मकान तैयार कर सकें। किंतु कुछ हितग्राहियों द्वारा राशि प्राप्त करने के पश्चात भी निर्माण कार्य में रुचि नहीं दिखाई जा रही है, जिससे न केवल योजना की प्रगति प्रभावित हो रही है, बल्कि शासन के संसाधनों का भी दुरुपयोग हो रहा है।

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए कलेक्टर महोदय के निर्देशन में जिला पंचायत एवं जनपद पंचायतों के माध्यम से ऐसे सभी प्रकरणों की सूची तैयार कर संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों को भेज दी गई है। निर्देश दिए गए हैं कि इन हितग्राहियों को अंतिम चेतावनी नोटिस जारी किया जाए और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य प्रारंभ या पूर्ण नहीं करने की स्थिति में उनसे दी गई राशि की वसूली की कार्रवाई की जाए।

**जारी आंकड़ों के अनुसार**

जनपद पंचायत बेमेतरा में वर्ष 2016-23 के 84 प्रकरण तथा वर्ष 2024-26 के 277 प्रकरण चिन्हित किए गए हैं। जनपद पंचायत बेरला में वर्ष 2016-23 के 42 प्रकरण सामने आए हैं। जनपद पंचायत नवागढ़ में वर्ष 2016-23 के 105 एवं वर्ष 2024-26 के 324 प्रकरण शामिल हैं। जनपद पंचायत साजा में वर्ष 2016-23 के 37 एवं वर्ष 2024-26 के 60 प्रकरण चिन्हित किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिन हितग्राहियों द्वारा वास्तविक कारणों से निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है, वे संबंधित अधिकारियों को उचित प्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। वहीं, जानबूझकर लापरवाही बरतने वाले हितग्राहियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व वसूली की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे सतत निगरानी रखते हुए योजना के कार्यों में तेजी लाएं, ताकि जिले के प्रत्येक पात्र परिवार को समय पर पक्का आवास उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही, उन्होंने हितग्राहियों से अपील की है कि वे शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाते हुए अपने आवास का निर्माण शीघ्र पूर्ण करें और प्रशासन के साथ सहयोग करें। इस कार्रवाई से जिले में योजना के क्रियान्वयन में गति आने की उम्मीद है तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

# भिलाई में केनाल रोड के विरोध में चक्काजाम

## लोग बोले-पहले 15 फीट बनने वाली थी सड़क, अब 30 फीट कर दिया, हम बेघर हो जाएंगे

ब्यूरो प्रमुख रतन कुमार

भिलाई शहर में नंदिनी रोड से कोहका तक प्रस्तावित केनाल रोड को लेकर स्थानीय लोगों का विरोध तेज हो गया है। प्रशासन की ओर से सड़क निर्माण के लिए जिस जगह तक रोड बनना है, वहां मार्किंग कर दी गई है। इसके बाद लोगों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि कई घरों का बड़ा हिस्सा इस निर्माण में आ रहा है।

बुधवार को बड़ी संख्या में स्थानीय लोग परदेशी चौक, रामनगर में एकत्रित हुए और विरोध जताया। कुछ देर के लिए चक्काजाम कर यातायात को बाधित भी किया गया। लोगों ने मांग की है कि, सड़क की चौड़ाई 30 फीट से घटाकर 15 फीट कर दी जाए। इस इलाके में पहले से ही सामने रोड मौजूद है, ऐसे में बगल में इतनी चौड़ी नई सड़क बनाने की जरूरत नहीं है।

केनाल रोड के विरोध में स्थानीय लोगों ने किया चक्काजाम और प्रदर्शन।

केनाल रोड के विरोध में स्थानीय लोगों ने किया चक्काजाम और प्रदर्शन।

### सड़क बनने के बाद बचेगी 3 से 5 फीट की जगह

स्थानीय निवासियों ने बताया कि, मार्किंग के बाद किसी के घर के सामने सिर्फ 5 फीट जगह बचेगी तो किसी के पास 3 फीट ही रह जाएगी। कई परिवारों का कहना है कि वे यहां 50 से 60 साल से रह रहे हैं और अब उनका घर आधे से ज्यादा टूटने की स्थिति में है। घर टूटने के बाद रहने लायक जगह ही नहीं बचेगी।

### परिवार लेकर कहां जाएंगे लोग

बघवा मंदिर के पुजारी दीपक शर्मा ने कहा कि, इस सड़क निर्माण से बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हो रहे हैं। कई घर पूरी तरह टूट जाएंगे। यहां कई परिवार ऐसे हैं जिनके बच्चों की पढ़ाई चल रही है या शादी की उम्र है। ऐसे में अचानक घर टूटने से लोग कहां जाएंगे, यह बड़ी समस्या है। उन्होंने मांग की कि सड़क को 15 फीट तक ही सीमित रखा जाए।

### पहले 15 फीट की हो रही थी बात, अब अचानक से बढ़ाया

वहीं दुर्गा मंदिर की पंडिताइन विधि शर्मा ने बताया कि, सड़क निर्माण की जद में मंदिर भी आ रहा है। नहर में पानी भी नहीं रहता, इसलिए उसके ऊपर इतनी चौड़ी सड़क बनाने का कोई खास फायदा नहीं है। पिछले कई सालों से 15 फीट सड़क बनने की बात कही जा रही थी, लेकिन अब अचानक इसे 30 फीट तक बढ़ा दिया गया है, जो लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे 15 फीट चौड़ी सड़क के लिए तैयार हैं, लेकिन 30 फीट सड़क बनने से उनके घर और धार्मिक स्थल दोनों पर खतरा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी स्थिति को समझते हुए फैसला लिया जाए, ताकि किसी को बेघर न होना पड़े।

**दुर्ग में अफीम खेती के बाद तस्करी का नेटवर्क**

# होटल-ढाबों में हो रही थी बिक्री, कुम्हारी में 70 साल का बुजुर्ग बेचते पकड़ाया

ब्यूरो प्रमुख रतन कुमार

दुर्ग जिले में अवैध अफीम खेती के बाद अब इसकी बिक्री पर पुलिस ने कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। पिछले तीन दिनों में खरीदी-बिक्री में शामिल कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस नेटवर्क में होटल-ढाबा सबसे आसान ठिकाना बने हुए थे, जहां ग्राहकों को आसानी से अफीम उपलब्ध कराई जा रही थी।

मंगलवार को कुम्हारी थाना क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अफीम बेचने के आरोप में 70 वर्षीय बुजुर्ग को गिरफ्तार किया। शुरुआती जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी लंबे समय से अवैध रूप से अफीम की बिक्री कर रहा था।

आरोपी के पास से 403 ग्राम अफीम, 14 लाख 46 हजार रुपए नकद और दो मोबाइल बरामद किए गए है। कुल जब्ती की कीमत करीब 16 लाख रुपए आंकी गई। फिलहाल पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

### सूचना पर पहुंची थी पुलिस

दरअसल, सूचना मिलने पर पुलिस टीम खारुन ग्रीन कॉलोनी गेट नंबर-02 पहुंची। घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम गुरमेल सिंह

(70) निवासी खारुन ग्रीन कॉलोनी, कुम्हारी बताया। तलाशी में अफीम और बड़ी मात्रा में नकदी मिली। मौके पर ही गिरफ्तार किया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से अफीम बेचकर अवैध कमाई कर रहा था। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 18(ग), 27(क) और 29 के तहत मामला दर्ज किया। पूछताछ जारी है, नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। जानिए इससे पहले कब-कब हुई कार्रवाई

### पहली कार्रवाई: होटल-ढाबा से हो रही थी बिक्री

15 मार्च को बेमेतरा-सिमगा रोड स्थित ग्राम कठिया में छापा मारा गया। श्री रामदेव होटल और राजस्थानी हाईवे ढाबा में कार्रवाई हुई। आरोपी रणछोड़ राम उर्फ रणजीत (50) के कमरे से 304 ग्राम अफीम डोडा (चुक्की), 1 लाख 29 हजार रुपए नकद और एक मोबाइल फोन मिला। दूसरे आरोपी सुनील देवासी (28) के पास मिक्सी (जार सहित) और मोबाइल फोन बरामद हुआ। दोनों को मौके से गिरफ्तार किया गया।

### दूसरी कार्रवाई- 42 हजार के साथ आरोपी पकड़ा गया

कबीरधाम जिले के ग्राम पालक में चिल्फी रोड स्थित बंजारी माता मंदिर के पास एक राजस्थानी ढाबे में अफीम डोडा चूरी बेची जा रही थी। ढाबा संचालक मदरूपा राम विश्नोई (45) के यहां 16 मार्च को छापा पड़ा। काउंटर से 42 हजार रुपए नकद और एक मोबाइल बरामद किया गया।

### पूरे नेटवर्क की जांच जारी

समोदा में अफीम मिलने के बाद जिले के फॉर्म हाउस की जांच जारी है। पुलिस सप्लाई चेन खंगाल रही है। यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि प्रदेश में अफीम कहां से आ रही थी। आरोपियों के संपर्क, नेटवर्क की अवधि और जुड़े लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# युवाओं को व्यसन से दूर रहने की प्रेरणा दी

ब्यूरो प्रमुख रतन कुमार

**डौंडीलोहारा।** वनांचल के ग्राम जुन्नापानी में ग्रामीण साहू समाज के तत्वाधान में मां कर्मा जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ साहू समाज के सामाजिक भवन के सामने भक्त माता कर्मा के तैलचित्र पर पूजा-अर्चना करके मंडल अध्यक्ष ललित साहू के करकमलों से किया गया। इसके बाद ग्राम में कलश यात्रा निकाली गई। महिलाएं और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर भक्ति भाव के साथ यात्रा में भाग लिए।

शोभायात्रा गांव की गलियों और मुख्य चौकों से होते हुए फिर से साहू समाज के भवन में लौटकर समाप्त हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ललित साहू थे। विशिष्ट अतिथि एनएस बघेल, युवराज साहू रहे। अतिथियों ने मां कर्मा के जीवन और उनके संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए समाज के युवाओं को व्यसन की बुराई से दूर रहने और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रशांत चौधरी, उमेदीराम साहू, बबलू हिरवानी, रिखी बघेल, नौमेश वैष्णव, चन्द्रशेखर सुकलेल, तरुण चौधरी थे। कार्यक्रम का समापन खिचड़ी प्रसाद वितरण के साथ किया गया। इस अवसर पर संचालन शेषनारायण बघेल ने किया। शील्ड और पुरस्कार देने की भी घोषणा की गई इस अवसर पर एनएस बघेल ने गत वर्ष की कर्मा जयंती की घोषणा के अनुसार समाज के उन बच्चों का सम्मान किया, जिन्होंने कक्षा 5वीं से 12वीं तक बोर्ड परीक्षाओं में 80त्न से अधिक अंक अर्जित किए। उन्हें मोमेंटो और 1000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। उन्होंने प्रतिवर्ष इस परंपरा को जारी रखने और समाज के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को शील्ड और पुरस्कार देने की भी घोषणा की।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से बदली ज़िंदगी

# कच्चे मकान से पक्के घर तक -हितग्राही निर्मला बाई की सफलता कहानी

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

**बेमेतरा।** प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए एक वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से ऐसे परिवारों का वर्षों पुराना सपना पूरा हो रहा है, जो आर्थिक तंगी के कारण अपना पक्का मकान नहीं बना पा रहे थे। जनपद पंचायत बेमेतरा के ग्राम पंचायत झाल की हितग्राही निर्मला बाई की सफलता कहानी भी इसी परिवर्तन की सशक्त मिसाल है, जिसने सरकारी योजना के सहयोग से अपना खुद का सुरक्षित और सम्मानजनक आवास प्राप्त किया।

निर्मला बाई पहले अपने परिवार के साथ एक कच्चे, जर्जर और असुरक्षित मकान में जीवन यापन कर रही थीं। बरसात के मौसम में छत से पानी टपकना, गर्मी में अत्यधिक गर्मी और ठंड के समय असुविधा जैसी कई समस्याओं का सामना उन्हें और उनके परिवार को करना पड़ता था। सीमित आय और आर्थिक कमजोरी के कारण उनके लिए पक्का मकान बनवाना संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे में परिवार के लिए सुरक्षित और स्थायी आवास का सपना अधूरा ही रह गया था।

इसी दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने ग्राम पंचायत में संपर्क किया, जहाँ उनका नाम पात्रता सूची में शामिल पाया गया। योजना के अंतर्गत उन्हें शासन द्वारा आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई, जिसके बाद उन्होंने अपने पक्के मकान के निर्माण का कार्य शुरू किया। प्रशासन और पंचायत के सहयोग से निर्माण कार्य समय पर पूरा हुआ और आज निर्मला बाई अपने परिवार के साथ नए पक्के और सुरक्षित घर में रह रही हैं।

निर्मला बाई बताती हैं कि अब उनका परिवार पहले से अधिक सुरक्षित और सम्मान के साथ जीवन जी रहा है। पक्का मकान मिलने से उनके बच्चों को भी बेहतर वातावरण मिला है और बरसात या अन्य मौसमों में अब किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना गरीब परिवारों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाने वाली योजना है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) आज जिले के हजारों जरूरतमंद परिवारों के लिए आशा की किरण बनकर सामने आई है। यह योजना न केवल गरीब परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध करा रही है, बल्कि उन्हें सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की नई राह भी दे रही है। निर्मला बाई की यह सफलता कहानी अन्य पात्र हितग्राहियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।

# नववर्ष पर सरस्वती शिशु मंदिर के बच्चों ने निकाली प्रभात फेरी

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

**थान खमरिया।** चैत्र नवरात्रि एवं हिंदू नववर्ष के पावन अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं द्वारा भव्य प्रभात फेरी एवं नगर भ्रमण किया गया। यह आयोजन विद्यालय के प्राचार्य, आचार्यों एवं प्रबंध समिति के सानिध्य में संपन्न हुआ।

प्रभात फेरी के दौरान छात्र-छात्राएं भगवा ध्वज लेकर "राम नाम" की धुन पर भजन-कीर्तन करते हुए पूरे नगर में भ्रमण किए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे बच्चों ने "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम्" के नारों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इस प्रभात फेरी का मुख्य उद्देश्य सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता फैलाना एवं हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं देना रहा। घोष दल के साथ निकाली गई इस भव्य शोभायात्रा में भैया-बहनों ने नगरवासियों, गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों का तिलक लगाकर सम्मान भी किया।

विद्यालय द्वारा प्रति वर्ष हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में प्रभात फेरी का आयोजन किया जाता है, जिसे नगरवासियों ने सराहनीय पहल बताया।

विद्यालय के प्राचार्य लखन साहू ने बताया कि सरस्वती शिशु मंदिर भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद और नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा के लिए प्रसिद्ध है। यहां आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों पर विशेष जोर दिया जाता है। बालकेंद्रित शिक्षा, अनुशासन, गुरु-शिष्य परंपरा तथा शारीरिक व मानसिक विकास के लिए योग एवं खेलकूद इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं, जो इसे अन्य विद्यालयों से अलग बनाती हैं।

शोभायात्रा के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर श्री राम सेवा सत्संग मानस समिति के संयोजक अनिल सिंघानिया ने कहा कि सनातन धर्म में नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन मनाया जाता है, जिससे प्रकृति में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है।

कार्यक्रम में आचार्य विश्वनाथ साहू, पूर्णिमा गौतम, मंजू नामदेव, मंजू ठाकुर सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही लखन लाल साहू, विश्वनाथ साहू, नरेन्द्र साहू, नोहर साहू, सुनील यादव, वेदप्रकाश जायसवाल, रूपेश साहू, निखिल पाटिल एवं राजेन्द्र निषाद भी उपस्थित रहे।

# "बोर्ड ऑफ विजिटर्स" द्वारा जिला जेल का निरीक्षण, बंदियों को बेहतर सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण विधिक सहायता देने के निर्देश

ब्यूरो चीफ- अनिल सिंघानिया

**बेमेतरा ।** छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला जेल बेमेतरा का बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का नेतृत्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा की अध्यक्ष श्रीमती सरोज नंद दास ने किया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक, एडीएम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी एवं जिला औद्योगिक अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जेल लीगल एड क्लीनिक के कार्यों को सुदृढ़ बनाने तथा बंदियों को समय पर प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण विधिक सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एसओपी 2016 एवं कंडिका 225 के तहत निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान बोर्ड द्वारा जेल में संधारित रजिस्टरों का परीक्षण किया गया, जिसमें पाया गया कि रजिस्टरों में जाति कॉलम अथवा जाति से संबंधित किसी प्रकार का उल्लेख नहीं है। सभी बैरकों में जाकर बंदियों से चर्चा की गई, जिसमें बंदियों ने किसी भी प्रकार के जातिगत भेदभाव से इंकार किया।

बंदियों के मनोरंजन के लिए दो बैरकों में टीवी की व्यवस्था की गई है, जिनमें योग, आध्यात्मिक कार्यक्रम, भजन एवं समाचार प्रसारित किए जाते हैं। साथ ही तबला, ढोलक, झांझ, मंजीरा जैसे वाद्ययंत्र तथा लूडो और शतरंज जैसी खेल सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है। पेयजल व्यवस्था की समीक्षा में पाया गया कि जेल में तीन ट्यूबवेल हैं, जिनमें से एक बंद है। परिसर में एक पानी टंकी तथा बाहर एक ओवरहेड टंकी उपलब्ध है। भोजन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बोर्ड ने निर्देश दिए कि जेल मैनुअल के अनुसार प्रतिदिन बदलते मेन्यू के साथ मौसमी सब्जियां एवं दालें दी जाएं तथा भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए।

स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा में बताया गया कि जिला जेल में डॉ. सुभाष साहू चिकित्सा अधिकारी के रूप में पदस्थ हैं, जो प्रत्येक मंगलवार को बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार के लिए उपस्थित रहते हैं, जबकि एक फार्मासिस्ट प्रतिदिन उपलब्ध रहता है। निरीक्षण के दौरान जेल लीगल एड क्लीनिक, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, मुलाकात कक्ष, बंदियों को उपलब्ध कराए गए कपड़ों की स्थिति, शौचालयों एवं अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही विचाराधीन बंदियों को साक्षर बनाने हेतु साक्षरता मिशन के अंतर्गत उल्लास प्रवेशिका पुस्तक का वितरण कर उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया।

**नशा मुक्ति केंद्र बना जीवन बदलने की राह**

# गरियाबंद का संतोष नशे की लत से हुआ पूरी तरह मुक्त

## आत्मनिर्भर बनकर संतोष बना परिवार का सहारा

नरेन्द्र कुमार सेन

**गरियाबंद।** नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिले में संचालित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र न केवल नशे की लत से पीड़ित लोगों को सही दिशा दे रहा है, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने प्रयास कर रहा है। इसका जीवंत उदाहरण जिला गरियाबंद मुख्यालय के 55 वर्षीय संतोष दास मानिकपुरी है। जो आज नशे की लत से पूरी तरह मुक्त होकर आत्मनिर्भर जीवन-यापन कर रहे है। वे कक्षा दसवीं तक शिक्षित हैं और मध्यम आय-वर्गीय परिवार से आते हैं, तनाव के कारण शराब, गुटखा और तंबाकू जैसे नशीले पदार्थों के सेवन करने के आदी हो गए थे। नशे की वजह से उनका पारिवारिक और सामाजिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा था। परिवार को आर्थिक तंगी और सामाजिक तानों का सामना करना पड़ रहा था। इसी दौरान उनके पुत्र अमन दास मानिकपुरी को समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत स्वैच्छिक संस्था शांति मैत्री ग्रामीण विकास संस्थान द्वारा संचालित एकीकृत पुनर्वास केंद्र नशा मुक्ति केंद्र, डाग बंगला गरियाबंद की जानकारी मिली। परिवार ने तुरंत संतोष दास को केंद्र में भर्ती कराया। केंद्र में

विशेषज्ञों के मार्गदर्शन, नियमित दिनचर्या, परामर्श सत्र, प्रेरक गतिविधियों और अनुशासित जीवनशैली ने संतोष दास के भीतर नशा छोड़ने का आत्मविश्वास जगाया। इस दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से उन्होंने नशापान को त्याग दिया। नशा छोड़कर घर लौटने पर परिवार और समाज ने उनके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव देखा। वे पहले की तुलना में अधिक स्वस्थ, ऊर्जावान और आत्मविश्वासी हो गए। आज संतोष दास एक सेलिंग दुकान में सामान पहुंचाने का कार्य करते हैं और अपने परिवार का भरण-पोषण पूरी जिम्मेदारी से कर रहे हैं। उनका परिवार, रिश्तेदार और समाज-जन उनके इस परिवर्तन से बेहद खुश हैं। संतोष दास का कहना है कि वे अब जीवन में कभी नशा नहीं करेंगे और नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़कर अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करना चाहते हैं।

# श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हिंदू नववर्ष

ब्यूरो चीफ: अनिल सिंघानिया

**थान खम्हरिया।** श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल में हिंदू नववर्ष बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह पर्व प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाता है, जो हिंदू पंचांग के अनुसार नववर्ष का प्रथम दिन होता है। यह दिन नई शुरुआत, आशा, ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पारंपरिक भारतीय वेशभूषा धारण कर आकर्षक प्रस्तुति दी। विद्यालय परिसर में सुंदर रंगोलियां सजाई गईं तथा बच्चों ने सांस्कृतिक नृत्य एवं भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर बच्चों को मिठाई वितरित कर नववर्ष की खुशियां साझा की गईं।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती योगेश्वरी अहिलेश्वर ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदू नववर्ष केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता का प्रतीक है। इस दिन हम अपने बड़ों का सम्मान करते हुए नए संकल्प लेते हैं और समाज में एकता एवं भाईचारे को सुदृढ़ करने का संदेश देते हैं।

उन्होंने नवरात्रि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 'नवरात्रि' का अर्थ 'नौ रातें' होता है, जिनमें मां दुर्गा के नौ स्वरूपों—शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी एवं सिद्धिदात्री—की पूजा की जाती है। यह पर्व हमें अपनी आंतरिक शक्तियों को पहचानने और नकारात्मक भावों जैसे काम, क्रोध, लोभ और अहंकार पर विजय पाने की प्रेरणा देता है।

अंत में उन्होंने सभी से आह्वान किया कि नवरात्रि के दौरान केवल उपवास ही नहीं, बल्कि अपने विचारों को भी शुद्ध करें, जरूरतमंदों की सहायता करें और समाज में प्रेम व सद्भाव का संदेश फैलाएं।

कार्यक्रम का समापन मां दुर्गा से समस्त मानव जाति के कल्याण, शांति और समृद्धि की प्रार्थना के साथ हुआ।

### राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, छत्तीसगढ़ प्रांत

# शताब्दी वर्ष में छत्तीसगढ़ प्रांत के 30 लाख से भी अधिक घरों में हुआ गृह संपर्क अभियान

**रायपुर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की वार्षिक बैठक हरियाणा में पानीपत के निकट समालखा में 13-15 मार्च को संपन्न हुई। बैठक में पूरे देशभर से 1438 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में अखिल भारतीय कार्यकारिणी, क्षेत्र और प्रांत टोली, कार्यविभागों के प्रांत और क्षेत्र प्रमुख, विभाग प्रचारक, विभागों से निर्वाचित प्रतिनिधि और विविध संगठनों के अखिल भारतीय स्तर के अध्यक्ष, सचिव एवं संगठन मंत्री सम्मिलित होते है।बैठक में संघ के कार्य विस्तार, कार्य दृढ़ीकरण के साथ ही संघ स्थापना के शताब्दी वर्ष में संपन्न हुए कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी। शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों में समाज का अपार स्नेह और समर्थन संघ को प्राप्त हुआ।

**कार्यविस्तार**-वर्तमान में देश के 924 जिलों के 6602 खंडों में से 6127 खंड शाखायुक्त है। इस वर्ष शाखायुक्त मंडलों की संख्या में 1535 की वृद्धि हुई, वर्तमान में 32,305 मंडल तथा 2523 नगर शाखायुक्त है। देशभर में कुल 55,683 स्थानों पर 40,800 विद्यार्थी और महाविद्यालयीन शाखा सहित कुल 88,949 शाखा है। कार्यकर्ताओं द्वारा 32,606 साप्ताहिक मिलन एवं 13,211 संघ मंडली संचालित की जा रही है। देशभर में 38,081 सेवाबस्तियों में से 9576 शाखायुक्त सेवाबस्तियाँ है। देशभर में कुल 105 संघ शिक्षावर्ग और कार्यकर्ता विकास वर्गों में 21,526 कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

छत्तीसगढ़ प्रांत में 34 जिलों 1643 स्थानों में 2,188 शाखा लग रही हैं। इनमें विद्यार्थी संयुक्त शाखा 1,246, महाविद्यालयीन (केवल तरुण) 124, तरुण व्यावसायी शाखा 482, प्रौढ़ व्यावसायी शाखा 192, बाल शाखा 144 हैं। प्रांत में 833 साप्ताहिक मिलन लग रहे हैं। बड़े आयु के स्वयंसेवकों के मिलन की संख्या 155 है। संघ मंडली की संख्या 632 है। प्रांत में शाखा युक्त सेवा बस्तियों की संख्या 193 है। वहीं शाखायुक्त मंडल की संख्या 1053 है। शाखायुक्त नगर (अन्य) की संख्या 55 वहीं न्यूनतम 2 शाखा हैं ऐसे नगर की संख्या भी 55 है। रायपुर महानगर को 14 नगरों में बांटा गया है, जिसमें कुल 131 बस्ती हैं, जिनमें 204 शाखा लग रही हैं। प्रांत में 84 प्रारंभिक वर्ग में 3,890 स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। प्रांत में न्यूतनम 5 शाखा अवश्य हैं, ऐसे जिला

**अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के पश्चात् छत्तीसगढ़ में प्रांत संघचालक डॉ. टोपलाल वर्मा की प्रेस वार्ता**

केंद्रों की संख्या 26 हो चुकी है।

**गृह संपर्क**-अधिकाधिक घरों तक संघ की सौ वर्षों की यात्रा, संघ कार्य का परिचय और पंचपरिवर्तन के विषय को पहुँचाने हेतु गृहसम्पर्क अभियान चलाया गया। अभी तक 37 प्रांतों के 3,89,465 ग्रामों और 31,143 बस्तियों के 10 करोड़ से अधिक घरों पर संपर्क हो चुका है। अभी 11 प्रांतों में गृह संपर्क चल रहा है। छत्तीसगढ़ प्रांत में ग्रामीण क्षेत्र में 1560 मंडलों में तथा नगरीय क्षेत्र में 666 बस्ती में 19429 टोलियों के द्वारा 61,686 कार्यकर्ताओं ने 30,55,557 घरों में गृह संपर्क किया गया। गृह संपर्क में नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में संघ की सौ वर्ष की यात्रा और समाज परिवर्तन में अपनी भूमिका से संबंधित पत्रक और पुस्तक तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भारत माता के चित्र और पत्रक का वितरण भी किया।

**विशेष संपर्क**- छत्तीसगढ़ प्रांत में विशेष संपर्क अभियान में 20,326 लोगों से विशेष संपर्क किया गया।

**हिंदू सम्मेलन**- हिंदू समाज की सांस्कृतिक एकता व संगठित शक्ति, धर्म जागरण और पंच परिवर्तन को आचरण में लाने के उद्देश्य से स्थानीय समाज की आयोजन समितियों के द्वारा 37 प्रांतों 37,048 मंडल और बस्तियों में आयोजित हिंदू सम्मेलनों में साढ़े तीन करोड़ लोग सम्मिलित हुए।

छत्तीसगढ़ प्रांत में हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन 1424 मंडल 13106 गांव तथा नगरीय क्षेत्र में 610 बस्तियों में कुल 2034 हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित हुए। इनमें सहभागी संख्या पुरुष 400020 तथा मातृशक्ति 503976 रही। इस तरह 9,03,996 लोगों की उपस्थिति इन कार्यक्रमों में रही। हिन्दू सम्मेलनों से पूर्व प्रभात फेरियां, मातृशक्ति की बैठकें, सुंदर कांड आदि के आयोजन भी संपन्न हुए।

**सामाजिक सद्भाव बैठक**

देशभर में सामाजिक और धार्मिक नेतृत्व में सामंजस्य एवं परस्पर सहयोग, दुर्बल समूहों के अभाव के निराकरण के उद्देश्य से सामाजिक सद्भाव बैठकों आयोजन खंड एवम नगर स्तर पर किया जा रहा है।

**प्रमुख जन गोष्ठी**- संघकार्य, हिंदुत्व, वर्तमान परिस्थिति में अपनी भूमिका तथा पंच परिवर्तन आदि विषयों की वैचारिक स्पष्टता और दायित्व जागरण की दृष्टि से प्रमुख जन गोष्ठियों का आयोजन आगामी अप्रैल माह किया जावेगा। इसी क्रम में पूजनीय सरसंघचालकजी के दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु में व्याख्यानमाला और जिज्ञासा समाधान के कार्यक्रम संपन्न हुए। इन कार्यक्रमों में 40 से अधिक देशों के राजनयिकों सहित समाज की विभिन्न श्रेणियों के 4777 प्रभावी जन सम्मिलित हुए। छत्तीसगढ़ प्रांत में भी प्रमुख जन गोष्ठी के कार्यक्रम चल रहे हैं।

**युवा कार्यक्रम**- युवा पीढ़ी में राष्ट्र बोध, संगठन स्वभाव एवं समाज परिवर्तन के प्रयत्न की वृद्धि के उद्देश्य से युवा संगम कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ प्रांत में शताब्दी वर्ष में 142 खंडों में तथा 60 नगर में 202 कार्यक्रम संपन्न हुए। इनमें युवकों की संख्या 14588 रही वहीं युवतियों की उपस्थित संख्या 9163 रही। इस तरह 23751 युवाओं ने युवा संवाद कार्यक्रमों में सहभागिता की। इन कार्यक्रमों में युवा नेतृत्व, युवा उद्यमी, अध्ययनशील युवाओं के बीच संघ और राष्ट्रीय विषयों पर विचार-विमर्श किया।

**विजयादशमी उत्सव**- अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में शताब्दी वर्ष में संपन्न कार्यक्रमों की संख्यात्मक और अनुभूति की दृष्टि से समीक्षा हुई। देशभर में संपन्न 62,555 उत्सवों में 32,45,141 स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में सम्मिलित हुए। छत्तीसगढ़ प्रांत में 1531 मंडल में 652 बस्ती में कुल 2193 कार्यक्रम संपन्न हुए। इसमें पूर्ण गणवेश में 94 हजार 995 लोगों की उपस्थिति रही।

**भौगोलिक रचना परिवर्तन**

कार्यविस्तार के फलस्वरूप कार्य संचालन और निर्णय प्रक्रिया के विकेंद्रीकरण के उद्देश्य से संघ की भौगोलिक रचना में कुछ परिवर्तन किए गए है। नई भौगोलिक रचना में देश में नौ क्षेत्र और 85 संभाग होंगे। वर्तमान प्रांत व्यवस्था के स्थान मार्च 2027 से संभाग रचना कार्यरूप में प्रभावी होगी। संभाग और क्षेत्र रचना के बीच विविध आवश्यक सामाजिक विषयों और समस्या के चिंतन, योजना और कार्यान्वयन हेतु प्रदेश कार्यसमिति रहेगी। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का अधिवेशन अब से प्रति तीन वर्ष में एक बार आयोजित किया जावेगा।

### संत शिरोमणि सद्गुरु श्री रविदासजी के 650वें प्राकट्य वर्ष के अवसर पर सरकार्यवाहजी का वक्तव्य

प्रतिनिधि सभा में संत शिरोमणि रविदासजी महाराज जी के प्राकट्य के 650 वें वर्ष में माननीय सरकार्यवाह जी ने वक्तव्य जारी किया। वक्तव्य में संघ की ओर से संत शिरोमणि सद्गुरु रविदासजी को श्रद्धासुमन अर्पित कराते हुए भक्ति जागरण, सात्विक आचरण, सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव उन्मूलन तथा समरस समाज के दृढ़ीकरण में उनके कृतित्व का स्मरण किया गया है। संघ ने श्री रविदासजी के जीवन संदेश के मर्म को समझ कर, देश की एकता और समरसता के कार्य के संकल्प का आह्वान किया है।

### स्वयंसेवकों द्वारा समाज परिवर्तन के सकारात्मक प्रयास

पंजाब में पिछले तीन वर्ष से नशा मुक्ति के लिये एक लाख से अधिक विद्यालय और महाविद्यालयों में नशा-मुक्ति का संकल्प कराया गया। धार्मिक नेतृत्व, साधु-संतों, कथावाचकों और डेरा प्रमुखों के साथ मिलकर व्यक्तिगत और सामाजिक समस्या नशे के विरुद्ध जनजागरण चल रहा है। कर्नाटक में हिंदू जागरण मंच द्वारा नशा मुक्ति के लिये 23 जिलों में 281 स्थानों पर रथयात्रा निकाली गयी। लड़कियों में नशे के विरुद्ध चेतना जागृत करने के उद्देश्य से मणिकर्णिका दौड़ का आयोजन किया गया। बजरंग दल ने नशा मुक्ति के लिये खिलाड़ियों, स्वास्थ्य अधिकारियों और नारकोटिक्स अधिकारियों और संतों के मिलकर 5600 से अधिक जनजागरण के कार्यक्रम किये। केरल में महामाघ महोत्सव, तमिलनाडु में कार्तिकदीपम और त्रिपुरा में जनजातीय समुदाय में जन्माष्टमी रथयात्रा द्वारा समाज में धार्मिक चेतना जागरण के कार्य में भी स्वयंसेवक लगे है। उत्तराखंड में परंपरागत कार्य करने वाले एवं श्रमजीवी कार्य करने वाली जातियों जैसे ढोल-सागर बजाने वाले, औषधियों की पहचान करने वाले, डोली-उपासक, मंत्रोपासक आदि का सम्मान एवं सम्मेलन द्वारा परंपरागत कौशल के सरंक्षण के अभिनव प्रयास किये जा रहे है। देशभर में इस वर्ष सवा लाख कुटुंब मित्र तथा लगभग ढाई लाख हरित घर बनाये गये। जनजाति क्षेत्र, नशा मुक्ति, शैक्षिक परिसर, घुमंतू जातियों, उद्योग, शिक्षा आदि क्षेत्रों में स्वयंसेवकों और विविध संगठनों द्वारा सकारात्मक और परिश्रमपूर्ण कार्य किए जा रहे है।

प्रतिनिधि सभा में मणिपुर की स्थिति में तेजी से होते सुधार, नक्सलवाद से मुक्त होते बस्तर के साथ ही पड़ोसी देशों नेपाल और बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति पर भी चर्चा हुई। श्री गुरुतेग बहादुरजी के बलिदान के 350 वें वर्ष में पूरे देश में स्वयंसेवकों ने दो हज़ार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किये, जिनमें सात लाख से अधिक लोग सम्मिलित हुए। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के समक्ष विभिन्न प्रांतों में संगठन एवं समाज परिवर्तन की दृष्टि से किए गए सफल और अनुपम प्रयोगों तथा समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय 38 संगठनों के विशेष कार्यों का वृत्त निवेदन भी हुआ।

### कार्यकारी मंडल बैठक

इस वर्ष की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक आगामी अक्टूबर-नवंबर माह में इंदौर में होगी। इस बैठक में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सहित देश के सभी प्रांतों से 450 कार्यकर्ता आयेंगे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर-40/44 इंडस्ट्रीयल एरिया बीरगांव उरला रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / web- www.krantirath.com